



राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा

डील साइन हो गई है। ईरान ने अगर समझौते का जरा भी उल्लंघन किया, तो अमेरिका उन पर भारी बमबारी करेगा। ईरान नियमों का पूरी तरह पालन करे।

हारिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी ने कहा

इस डील से न केवल पश्चिम एशिया में स्थिरता आएगी, बल्कि होर्मुज में जहाजों की आवाजाही भी सामान्य हो सकेगी।

haribhoomi.com

जबलपुर, शुक्रवार 19 जून 2026

HONDA

How we move you.

CREATE • TRANSFORM • AGUMENT

60

2.7

6:02

डॉ.मोहन यादव सरकार के प्रयासों से प्रदेश की धरती दुग्ध क्रांति के लिए तैयार मध्यप्रदेश की धरती पर दुग्ध क्रांति से आई समृद्धि, पशुपालक हुए खुशहाल

प्रतिदिन 12 लाख लीटर दूध कलेक्शन 1300 नई गौशालाओं का निर्माण

मध्यप्रदेश में गौपालन की समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अब डॉ. मोहन यादव सरकार मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध क्रांति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दुग्ध व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन का माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों की समृद्धि के नये द्वार खुल रहे हैं। डेयरी सेक्टर में निवेश बढ़ाने के लिए कार्ययोजना सरकार आगे बढ़ रही है। इस सेक्टर में गांवों में ही रोजगार की नई सम्भावनाएं मौजूद हैं। दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों और पशुपालकों की



आमदनी बढ़ाने सरकार अब मिशन मोड पर काम कर रही है। आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की भागीदारी को बढ़ाया जा रहा है। पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए

ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा के साथ ही इस दिशा में काम शुरू हो चुका है।

मोबाइल ऐप बताएगा दूध का पूरा हिसाब

डिजिटल क्रांति से 'दुग्ध क्रांति' की तरफ तेजी से बढ़ रहे कदम

मध्यप्रदेश में डिजिटल क्रांति से मिल्क क्रांति की तरफ तेजी से बढ़ते कदम बढ़ रहे हैं। वजह ये है कि डेयरी सेक्टर अब तेजी से डिजिटल हो रहा है। किसानों को दूध का सही दाम और पूरी पारदर्शिता मिले, इसके लिए राज्य सरकार तकनीक का सहारा ले रही है। अब दुग्ध उत्पादकों को मोबाइल ऐप के जरिए तुरंत यह जानकारी मिल सकेगी कि उन्होंने कितना दूध दिया, उसकी गुणवत्ता क्या है और उन्हें कितना भुगतान मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अधिकारियों को समय-सोमा तय कर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। सरकार का लक्ष्य डेयरी गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाना और प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक ले जाना है। प्रदेश में दुग्ध संकलन के लिए अब मोबाइल ऐप आधारित व्यवस्था शुरू की जा रही है। इस ऐप के जरिए दूध देने वाले किसानों को तुरंत दूध की मात्रा, गुणवत्ता और उसके मूल्य की जानकारी मिल जाएगी। इससे भुगतान में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों का भरोसा मजबूत होगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय संचालन और विपणन कार्य में लगे मैदानी अमले की निगरानी के लिए फोल्ड फोर्स मॉनिटरिंग ऐप भी शुरू किया गया है। इससे डेयरी नेटवर्क की मॉनीटरिंग बेहतर होगी और कामकाज में तेजी आएगी।



राज्य स्तर पर फेडरेशन

योजना के मुताबिक पहले जिला स्तर पर नरसल आधारित एसोसिएशन बनाई जाएंगी। इसके बाद चुनाव कराकर राज्य स्तरीय कार्यकारिणी गठित की जाएगी। शुरुआती दौर में इन संगठनों का संचालन प्रशासनिक सहयोग से होगा, लेकिन 3 से 5 साल के भीतर इन्हें पूरी तरह स्वायत्त बना दिया जाएगा। बाद में इनका संचालन खुद पशुपालक करेंगे। सरकार इन संगठनों को तकनीकी प्रशिक्षण, फंडिंग और मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की मदद भी उपलब्ध कराएगी, ताकि प्रदेश

की देसी नरसलों को नई पहचान मिल सके। इस मॉडल के लागू होने के बाद पशुपालकों की आय केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं रहेगी। फेडरेशन के पास शुद्ध नरसल की ब्रॉडिंग का अधिकार होगा, जिससे अच्छी नरसल के पशुओं की बाजार कीमत बढ़ेगी। पशुपालक नरसल आधारित पशुओं की बिक्री कर अतिरिक्त आय कमा सकेंगे। इसके अलावा चारा, दवाइयां और पशुपालन से जुड़े उपकरण थोक में खरीदने से लागत भी कम होगी।

डेयरी उद्यमियों का बढ़ा मुनाफा

डेयरी उद्यमिता को एक लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक से जुड़े 'रोजगार सृजन मॉडल' के रूप में स्थापित करने के लिए हर स्तर पर काम जारी है। फलस्वरूप प्रदेश में 9 लाख लीटर प्रतिदिन कलेक्शन बढ़कर 12 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। दूध कलेक्शन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। नरसल सुधार, गौशालाओं को हाइटेक बनाने और स्वावलंबी बनाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। दो साल पहले तक प्रदेश में करीब 1800 गौशालाएं थीं। गौवंश सहायता राशि 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति गौवंश करने के बाद 1300 नई गौशालाओं का निर्माण हुआ है।

देश में प्रदेश को प्रयत्न बनाना ही लक्ष्य

वर्तमान में मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन के मामले में देश में तीसरे स्थान पर है, सरकार का लक्ष्य प्रदेश को पहले स्थान तक पहुंचाना है। इस दिशा में शुरू किए गए प्रयास अब सफल होते दिखाई दे रहे हैं। प्रदेश में अब तक 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इसके साथ ही दुग्ध क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार द्वारा ग्वालियर डेयरी प्लांट के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। शिवपुरी डेयरी प्लांट को फिर सक्रिय कर नया जीवन दिया गया है। वहीं, इंदौर में प्रतिदिन 3 लाख लीटर क्षमता वाले मिल्क पाउडर प्लांटों की शुरुआत की गई है। सरकार का मानना है कि इन ठोस प्रयासों से प्रदेश को दुग्ध उत्पादन और विपणन के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है और मध्यप्रदेश तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

गौशाला के लिए 10 लाख का अनुदान

हर गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और हर किसान, पशुपालक, दुग्ध उत्पादक की आत्मनिर्भर बनाने में डेयरी सेक्टर को मजबूत बनाया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन के जरिए आर्थिक स्वावलंबन को वाई ऊंचाई तक ले जाने का प्रयास हो रहा है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर दूध उत्पादन बढ़ाने की ओर कदम बढ़ा दिया है। कई-कई गौशालाएं खोली जा रही हैं। मात्र 25 अगोशों को गौशाला खोलने वाले पशुपालक को सरकार 10 लाख रुपए प्रति यूनिट सब्सिडी दे रही है।

गांवों में बड़ा बदलाव

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना बन गई राज्य में समृद्धि की मिसाल



मध्यप्रदेश सरकार पशुपालकों और किसानों की आय बढ़ाने के लिए डेयरी क्षेत्र को लगातार मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के जरिए पशुपालकों को बड़ा लाभ देने की पहल की है। इस योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 2 मुरां भैंसों उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे डेयरी व्यवसाय शुरू कर सकें और अपनी आय में वृद्धि कर सकें। योजना के तहत प्रति यूनिट लागत 2 लाख 95 हजार रुपए निर्धारित की है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को रोजगार और आय का मजबूत माध्यम बनाना है। मुरां नरसल की भैंसों को अधिक दूध उत्पादन के लिए जाना जाता है। सरकार का मानना है कि इस योजना से पशुपालकों को बेहतर दुग्ध उत्पादन और स्थायी आय का अवसर मिलेगा।

75 प्रतिशत तक अनुदान

सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 75 प्रतिशत तक सब्सिडी मिल रही है। इससे छोटे और आर्थिक रूप से कमजोर पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय शुरू करने में बड़ी मदद मिल रही है। डेयरी प्लस योजना के जरिए सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा किसान डेयरी व्यवसाय से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें।



दुग्ध संकलन के लिए मजबूत हुआ नेटवर्क सीएम डॉ.मोहन यादव के प्रयासों से 26 हजार गांव जुड़े

पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीएम डॉ.यादव समृद्ध बना रहे प्रदेश



पशुपालकों का होगा सम्मान : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ने जिला स्तर पर डेयरी से जुड़े विशेष कार्यक्रम आयोजित कर आदर्श पशुपालकों का सम्मान करने को योजना बनाई है। साथ ही दूधारा पशुओं की प्रदर्शनों और डेयरी संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य डेयरी व्यवसाय को पारंपरिक दायरे से बाहर निकालकर उसे रोजगार और उद्यम का बड़ा माध्यम बनाना है।

बढ़ रहा डेयरी नेटवर्क : राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के बीच हुए कार्यअनुबंध के बाद प्रदेश में डेयरी नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध समितियों का गठन किया है। इससे बढ़ी संख्या में किसान और पशुपालक डेयरी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं।

गुणवत्ता रखने पर जोर: दूध की गुणवत्ता और सुरक्षित संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा दूध और दुग्ध उत्पादों की क्रेडिट पर बिक्री पूरी तरह बंद कर दी गई है, ताकि भुगतान व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बन सके।



50 हजार से शुरू किया काम, आज हर महीने बढ़ रही आमदनी

धार की सुनीता लखपति दीदी बनी, दुग्ध उत्पादन से कमा रही हर माह 45 हजार रुपए

- दूध के साथ घी, पनीर, मक्खन से कमाई
- अन्य महिलाओं के लिए बर्नी प्रेरणा

धार जिले के उमरबन विकासखंड के मलनगांव की रहने वाली सुनीता धोंगड़ ने मेहनत और होसले के दम पर अलग पहचान बनाई है। कभी आर्थिक परेशानियों से जूझने वाली सुनीता आज सफल डेयरी व्यवसायी बन चुकी हैं। गांव में लोग अब उन्हें लखपति दीदी के नाम से पहचानते हैं। सुनीता साधारण ग्रामीण परिवार से हैं। 9 सदस्यों का परिवार खेती और थोड़े बहुत पशुपालन पर निर्भर था। कम आमदनी में परिवार चलाना मुश्किल हो

रहा था। कई बार घर के खर्च पूरे करना भी चुनौती बन जाता था। सुनीता की जिंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब वे बाबा रामदेव स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से उन्हें 50 हजार की आर्थिक मदद मिली। इस पैसे से उन्होंने एक भैंस खरीदी और दूध बेचने का काम शुरू किया। वहीं से उनकी सफलता की शुरुआत हुई। सुनीता हर महीने 40 हजार से 45 हजार तक की आय अर्जित कर रही हैं। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।



सरकारी योजना का लाभ मिला फिर लगा गए कामयाबी के पंख

समूह के सहयोग और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की मदद से सुनीता को 2 लाख रुपए का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने तीन अच्छी नरसल की भैंसें खरीदीं। धीरे-धीरे उनका डेयरी व्यवसाय बढ़ने लगा। अब वे स्थानीय बाजार के साथ डेयरी कंपनियों को भी दूध सप्लाय कर रही हैं। सुनीता ने घी, मक्खन और पनीर बनाकर बिक्री शुरू की। इससे उनकी आमदनी और बढ़ गई। सरकारी सहायता से पशुओं के लिए शेड भी बनवाया है।

महाराष्ट्र में बदली सियासत

उद्धव गुट के 6 सांसदों ने शिंदे को माना अपना नेता

बागी सांसदों ने शिवसेना शिंदे गुट में की विलय की मांग

एजेंसी ►► नई दिल्ली

शिवसेना (यूबीटी) के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 ने गुरुवार को यहां संसदीय दल की बैठक में भाग नहीं लिया। सभी 6 बागी सांसदों ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय की मांग करते हुए एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दिया है। हालांकि, अध्यक्ष कार्यालय को सत्यापन के लिए कुछ सांसदों की प्रत्यक्ष उपस्थिति की आवश्यकता है जो आने वाले दिनों में होने की उम्मीद है।

राउत ने बागियों को फिट 'गटदार बेईमान धोखेबाज' कहा

बैठक में 3 सांसद रहे उपस्थित

गुरुवार को हुई संसदीय दल की बैठक में शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजभाऊ वाजे, पार्टी के इकलौते राज्यसभा सांसद संजय राउत के साथ बैठक में शामिल हुए। शामिल नहीं होने वाले सांसदों में नागेश अष्टिकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजेनिम्बलकर और भाऊसाहेब वाकचौरे हैं।

अतिरिक्त 10 करोड़ रुपए दिए

संजय राउत ने अनुपस्थित सांसदों को गद्दार, बेईमान और धोखेबाज करार दिया और दावा किया कि बागी सांसदों को अतिरिक्त 10 करोड़ रुपए दिए गए और उन्हें राजस्थान में सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। बागी सांसदों को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस बार की बेईमानी एकनाथ शिंदे को बहुत महंगी पड़ेगी और इन पांच-छह गद्दारों को भी। अब हम चुप नहीं बैठने वाले हैं। हम ऑपरेशन तुड़वा (मार-पीट) शुरू करेंगे।

ऋतब्रत मामले में ममता को झटका

विस स्पीकर के फैसले पर कलकत्ता हाईकोर्ट भी कायम

दोनों पक्षों को हलफनामा दाखिल करना होगा

एजेंसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल में ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता बनाए जाने के फैसले पर विवाद हो रहा है। विधानसभा स्पीकर के इस फैसले को ममता बनर्जी के खेमे ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले में अदालत कोई भी अंतरिम आदेश पारित नहीं करेगी। कलकत्ता हाईकोर्ट में जस्टिस कृष्णा राव ने तत्काल आदेश पारित करने से इनकार करते हुए पक्षों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी

विरोधी गुट को 3 हफ्ते की मोहलत

कलकत्ता हाईकोर्ट की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि स्पीकर के फैसले का विरोध कर रहा गुट तीन हफ्ते के भीतर हलफनामा दायर करे। अदालत ने दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया। कोर्ट के निर्देश के अनुसार अगली सुनवाई तक स्पीकर का फैसला यथावत रहेगा। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

शिकायत मिलने से पहले जांच कैसे?

जस्टिस कृष्णा राव ने कहा कि स्पीकर ने टीएमसी के मूल प्रस्ताव की जांच शुरू तभी ही कर दी थी, जब उस पर उस समय इसके बारे में कोई शिकायत भी नहीं मिली थी। स्पीकर उस फैसले को मानने के लिए बहुत उत्सुक दिखे, जिसमें उन्होंने पार्टी के आधिकारिक पसंद के बजाय सदन में अपना नेता नियुक्त किया था। स्पीकर ने सारी जांच शुरू कर दी, ऐसा क्यों? उन्होंने दूसरे पक्ष को अवसर क्यों नहीं दिया?

खबर संक्षेप

चंबा में एसयूवी खाई में गिरी, 7 लोगों की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में मसरुंड-हमाल मार्ग पर छत्रुंड के निकट एक एसयूवी के खाई में गिर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा तड़के करीब 2 बजे हुआ, जब तीन महिलाओं समेत सभी व्यक्ति महल गांव लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते एसयूवी खाई में जा गिरी।

सूडान से आई महिला को इबोला जांच के लिए भेजा

कोट्टायम। दक्षिण सूडान से आई एक महिला को बुखार आने के बाद इबोला जांच के लिए कोट्टायम मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। स्वास्थ्य महिला बुखार के कारण बुधवार को यहां पाला के एक निजी अस्पताल में पहुंची। महिला इबोला वायरस से संक्रमित है या नहीं, उसके रक्त के नमूने एकत्र कर लिए गए। प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

लापता अग्निवीर का शव खाली बैरक में मिला

फर्रुखाबाद। तीन दिन से लापता 22 वर्षीय अग्निवीर का शव यूपी के फर्रुखाबाद जिले के फतेहगढ़ में सिख लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट सेंटर के एक खाली बैरक में फंदे से लटका हुआ मिला। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान जसनप्रीत सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब के बरनाला जिले के भगतपुर गांव का रहने वाला था।

लावारिस कार के अंदर फंसी बच्ची, मौत

चाईबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक खड़ी कार के अंदर फंसे के बाद दम घुटने से पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम चाईबासा सहर थाना क्षेत्र के तुंगरी में हुई। बच्ची, ईशानी गोप, खेल-खेल में लावारिस वाहन के अंदर घुस गई।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में ‘टेलीग्राम’ को लेकर केंद्र का सुको में हलफनामा

लीक कंटेंट और फर्जी गतिविधियों को रोकने में रहा नाकाम, अदालत ने फैसला सुरक्षित किया

केंद्र सरकार ने कहा कि टेलीग्राम के दुरुपयोग की कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। यह ‘बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर’ की सुविधा देता है, जिसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर जानकारी प्रसारित करने के लिए किया जा सकता है

21 जून को होगी दोबारा आयोजित होगी परीक्षा

टेलीग्राम का इस्तेमाल अक्सर आतंकी कर रहे

दोनों पक्षों से जमा करवाई लिखित दलीलें

न्यायमूर्ति तेजस करिया की अवकाश कालीन पीठ दोबारा नीट-यूजी कराए जाने से पहले टेलीग्राम एप तक पहुंच सीमित करने के फैसले के खिलाफ इसकी संचालक कंपनी द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई की। टेलीग्राम का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने रखा जबकि केंद्र की ओर से अर्तनी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश की। न्यायमूर्ति ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया और शाम सात बजे तक लिखित दलीलें जमा करने को कहा।

टेलीग्राम में जटिल नेटवर्क बनाने की सुविधा

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एक टेलीग्राम अकाउंट से 40 तक ‘बॉट’ बनाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बॉट्स मशीनें हैं, वे अपनी संख्या और बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टेलीग्राम बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर दे सकता है जो बड़े पैमाने पर जानकारी प्रसारित कर सकता है।

एजेंसियों की पहुंच सीमित

तुषार मेहता ने कहा कि यह मंच ‘क्लाउड’ के जरिए काम करता है। अगर इसे ब्लॉक भी कर दिया जाए तो भी कानून प्रवर्तन एजेंसियां असली उपयोगकर्ता तक नहीं पहुंच सकतीं। टेलीग्राम का इस्तेमाल अक्सर आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जाता है और इसकी संरचना की वजह से अलग-अलग इलाकों में कार्यरत कानून प्रवर्तन एजेंसियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

17 वर्षीय नीट अभ्यर्थी ने आत्महत्या की

गुजरात के अहमदाबाद में दोबारा नीट-यूजी देने की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय अभ्यर्थी ने बुधवार-गुरुवार की रात को एक इमारत की छठी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से कथित तौर पर नीचे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। साबरमती थाना के निरीक्षक वाईआर वाघेला ने बताया कि करीब 2:55 बजे, नीट की तैयारी कर रहे एक लड़के ने अहमदाबाद के त्रगाड़ इलाके में ‘एरिस्टो आनंदम’ सोसाइटी के ‘बी’ ब्लॉक में स्थित अपने अपार्टमेंट की छठी मंजिल की बालकनी से छलांग लगा दी। किशोर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

आईसीजी को मिला स्वदेशी एयर कुशन वाहन

समुद्री चुनौतियों का करेगा मुकाबला

गोवा। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने स्वदेशी एयर कुशन वाहन को शामिल करके परिचालन क्षमता को मजबूत किया है। आईसीजी के लिए चौगुले एंड कंपनी प्रा. लि. द्वारा निर्मित छह स्वदेशी एयर कुशन व्हीकल्स (एसीवी) में से पहला व्हीकल गोवा में सेवा में शामिल किया गया। इस होवरक्राफ्ट का उद्देश्य समुद्री क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की संचालन क्षमता को बढ़ाना और उभरती चुनौतियों का सामना करने की उसकी क्षमता को मजबूत करना है। इसका सेवा में शामिल होना आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाएगा और देश के बढ़ते समुद्री औद्योगिक आधार का प्रतीक होगा।

भारत में अमेरिकी राजदूत गोर ने की गृह मंत्री शाह से मुलाकात

आतंकवाद और ड्रग्स की तस्करी से निपटने पर हुई बात

सीमाओं को सुरक्षित करने पर मथन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

फ्रांस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने विशेष रूप से आतंकवाद तथा नशील पदार्थों की तस्करी से निपटने के मुद्दों पर बात की। गोर, ट्रंप और पीएम मोदी की मुलाकात के दौरान बुधवार रात फ्रांस के शहर एवियन में ही थे और वहां से सीधे यहां आए।

आमिit शाह से मिलते सर्जियो गोर

भारत-अमेरिका के बीच सहयोग मजबूत

वैश्विक रणनीतिक साझेदारी बढ़ाएंगे

अमित शाह ने सर्जियो गोर के साथ मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुलाकात की जानकारी दी। गृह मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। सुरक्षा के क्षेत्र में, खासकर आतंकवाद और नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए, भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे

इस बैठक के बाद, अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर अगले हफ्ते भारत आने वाले हैं। इस यात्रा का उद्देश्य व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करना है। भारत और अमेरिका के बीच यह सहयोग न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक सुरक्षा को भी बढ़ावा देगा।

शाह के साथ अच्छी रही बैठक: गोर

सर्जियो गोर ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमने आतंकवाद से निपटने, अपने लोगों को नशीले पदार्थों और अवैध ड्रग्स से बचाने, अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने और दोनों देशों में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सार्थक चर्चा की। दोनों देश के अधिकारी नियमित रूप से रणनीतिक बैठकें करते रहे हैं।

शिशु ने सीएम मान के खिलाफ खोला मोर्चा

अकाल तख्त साहिब के बेअदबी का मामला

एजेंसी ►► चंडीगढ़

अकाल तख्त साहिब के बेअदबी को लेकर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान के खिलाफ बड़ा राजनीतिक और धार्मिक मोर्चा खोल दिया है। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भगवंत मान को सीएम पद से हटाने के लिए एक महीने का अल्टीमेटम देते हुए घोषणा की कि शिअद ने इस मुद्दे पर 5 सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। यह कमेटी संत समाज, धार्मिक संस्थाओं और विभिन्न संगठनों से संपर्क कर समर्थन जुटाएगी।

पद से नहीं हटे तो होगा धर्म युद्ध गठित की 5 सदस्यों की कमेटी

आदेशों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं

सुखबीर बादल

सीएम भगवंत मान

19 जुलाई तक का दिया मणव

बादल ने ऐलान किया कि 19 जुलाई तक का समय दिया जा रहा है। यदि इस अवधि में भगवंत मान को नहीं हटाया गया तो शिअद धर्म युद्ध मोर्चा शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर एकजुट होकर आम आदमी पार्टी के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि जब तक भगवंत मान मुख्यमंत्री बने रहेंगे, शिअद का कोई भी विधायक विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेगा।

आबकारी मंत्री के जिले में 'ओवर-रेट' का खेल

सूत्रों की मानें तो यह कोई इक्का-

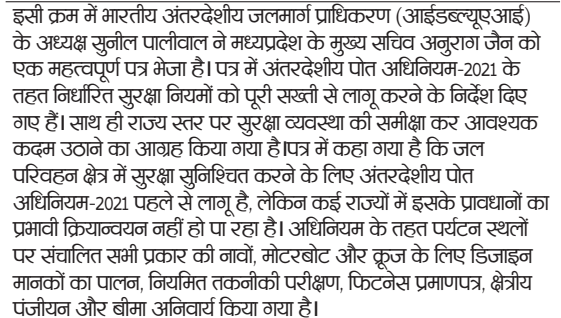


उपभोक्ताओं का आरोप है कि आबकारी विभाग को लगातार शिकायतें मिलने के बावजूद कार्टेवाई केवल खानापूर्ति तक सीमित रहती है। कभी-कभार प्रतीकात्मक चालान या नोटिस जारी कर विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दावा कर देता है,



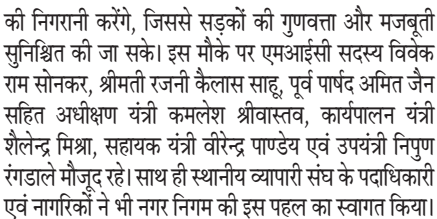
तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्रीमल योजना एवं कर्मकार मंडल के अंतर्गत प्रभिक एवं का पंजीजन, समग्र ई-केवाईसी, पात्रता प्रथी जारी करने एवं त्रुटि सुधार जैसे कार्यों का भी तत्काल समाधान किया गया। शिविरों के दौरान महापौर जनत बहादुर सिंह अनूप सांसद आशीष दुवे, विधायक विधानसभा क्षेत्रों के विधायकगण, निगमाध्यक्ष रिंकुजि वजि, एमआईसी सदस्यगण एवं पाण्डों ने विभिन्न शिविर स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और हितग्राहियों से संवाद किया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति से शिविरों में नागरिकों का उत्साह बढ़ा और योजनाओं का लाभ सुचारु रूप से पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया।

बरगी क्रूज हादसे के बाद जल परिवहन सुरक्षा पर सख्ती



मुख्य सचिव अनुराग जैन से संबंधित विभागों को नामित करने, आवश्यक अधिसूचनाएं जारी कराने तथा सुरक्षा मानकों के पालन को निश्चित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके बाद राज्य सरकार के गृह, पटवर्ग और परिवहन विभाग भी सचिव हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में बरगौ जलाशय के अलावा तवा, गांधी सागर, बाणसागर और भोपाल की बड़ी झील सहित प्रदेश के प्रमुख जल पटवर्ग स्थलों पर संचालित नावों और जल सेवाओं का विशेष सुरक्षा ऑडिट करया जा सकता है। इसमें नावों की फिटनेस, पंजीन, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, सलका दल की योग्यता और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी।

5 करोड़ की लागत से शहर की 47 सड़कों का हो रहा डामलीकरण



जबलपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 20 और 21 जून को प्रस्तावित जबलपुर प्रवास को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और नदरे प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली हैं। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए शहर में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए जा रहे हैं, वहीं रेलवे ने भी मुख्य रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा योजना लागू करने का निर्णय लिया है। रेलवे बोर्ड मुख्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा 20 जून से 22 जून तक लगातार तीन दिनों के लिए जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर 24 घंटे किंवद रिस्पांन्स टीम (न्यूआरटी) तैनात की जाएगी। यह टीम स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में चौबीसों घंटे निगरानी रखेगी तथा किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए तैयार रहेगी। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव ने बताया कि किंवद रिस्पांन्स टीम चार-चार जवानों के समूह में स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म, मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार, यात्री प्रतीक्षालय, फुट ओवरब्रिज, सर्कुलेंटिंग एरिया तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार पेट्रोलिंग करेगी। इसके अलावा रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों का गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थलों से जुड़े 15 किंलोमीटर के सुरक्षा घेरे के भीतर आता है, इसलिए सुरक्षा एजेंसियों किसी भी प्रकार की चूक की संभावना को समाप्त करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं। स्टेशन परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की जांच के साथ-साथ यात्रियों के सामान की भी गहन निगरानी की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने पार्सल कार्यालय और माल बुकिंग केंद्रों पर भी सुरक्षा बढ़ा दी है। पार्सल के माध्यम से आने-जाने वाले सामान की विशेष जांच की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध सामग्री स्टेशन परिसर में प्रवेश न कर सके। सुरक्षा एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

रखा कि यदि भविष्य में राज्य सरकार परियोजना को लेकर अनावश्यक विलंब करती है तो याचिकाकर्ता पुनः न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है।

जबलपुर। व्हीकल फैक्टरी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति ठप होने से कर्मचारियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। दो दिनों से पानी नहीं मिलने से परेशान कर्मचारी प्रशासनिक भवन के सामने धरने पर बैठ गए और मटके पोंडुकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग उठाई। कर्मचारियों का कहना है कि पहले सीमित मात्रा में ही सही, लेकिन पानी की आपूर्ति हो रही थी, जिससे किसी तरह काम चल जाता था। पिछले दो दिनों से शासकीय अवासियों और फैक्टरी के विभिन्न विभागों में एक बूंद पानी भी नहीं पहुंचा है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि समस्या को जानकारी प्रबंधन को दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से चर्चा कर जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।



जबलपुर। रेलवे पुलिस जबलपुर में मोबाइल चोरी के दो मामलों का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक कटनी निवासी 26 वर्षीय विपिन कुमार बड़ई को मदमहल रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 16,500 रुपये कीमत का मोबाइल का मोबाइल बरामद किया गया। पछताछ में आरोपी ने बताया

कि उसने मोबाइल कैमोर निवासी
रवि तिवारी उर्फ राका को 1,000
रुपये में बेच दिया था। पुलिस ने
रवि तिवारी को भी हिरासत में
लेकर उसके पास से मोबाइल
बिक्री से प्राप्त 500 रुपये नकद
जब्त किए हैं।
जांच के दौरान विपिन कुमार ने
तीन-चार माह पूर्व इंटरसिटी
एक्सप्रेस के जनरल कोच से एक
अन्य यात्री को मोबाइल चोरी करने

की बात भी स्वीकार की। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 9 हजार रुपये मूल्य का दूसरा मोबाइल भा बरामद कर लिया। जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के निर्देशन में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना और कॉल डिटेल् रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई करते हुए कुल 25,500 रुपये मूल्य के दो मोबाइल और 500 रुपये नकद जब्त किए।

गुरु द्वारे में हजारों श्रद्धालुओं ने टेका माथा

जबलपुर।

सिख धर्म के पाँचवे गुरु, शहीदों के सरताज, श्री गुरुग्रंथ साहिब के सृजक, गुरु अर्जन देव जी महाराज का शहीदी दिवस समारोह गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार गोरखपुर प्रांगण में पूर्ण आस्था विरवास और श्रद्धागति के साथ मनाया गया। इस मौके को श्री दरबार साहिब अमृतसर स्वर्णमंदिर पंजाब के हुजुरी रागी जत्था भाई जरनैल सिंह कोहारका एवं साजिंदे साधियों ने सम सामयिक गुरुवाणी शब्द "तेरा वीया मीठा लागे हरिनाम पढारथ नानक मांगे" का सरस गायन कर साथ संगत को रसविभोर कर दिया ।

विख्यात कथावाचक ज्ञानी मनदीप सिंह मुरीद, अमृतसर ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी ने श्री हरिमंदिर साहिब स्वर्णमंदिर का निर्माण कराया और श्रीगुरुग्रंथ साहिब का संकलन संपादन करके ईश्वर के सनातनी अवतारों,



सिख गुरुओं और संतों की ईश्वरीय गुरुवाणी को सम्मानजन स्थान प्रदान किया, ये सिकखों के जीवित सर्वोच्च गुरु माने जाते हैं, जो आज विश्व धरोहर हैं। उन्होंने आगे कहा कि गुरुजी के बढ़ते प्रभाव से ईर्ष्या करने वाले तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर ने गुरुजी को जेल मास की तपती दोपहर में धधकते गर्म तवे पर बिठाकर सिर पर गर्म रेत डालने जैसी भयानक यातनाएं दे कर शहीद कर दिया। इसके साथ ही रागी जत्था भाई बलजीत सिंह, गोरखपुर एवं खी सत्संग सभा सहित अनेक



विद्वतजनों ने शब्द कीर्तन पेश किया । इस दौरान जनप्रतिनिधि महापौर जगत बहादुर सिंह अनू, पूर्व राज्य मंत्री हरेंद्र जीत सिंह बब्बू, रत्नेश सोनकर, पापंद जयलक्ष्मी चक्रवर्ती, काके आनंद, कुंवरपाल सिंह शेरू एवं श्रीमती ऊषा सिंह सहित हजारों श्रद्धालुओं ने यहां मत्था टेक कर गुरु का लंगर पंगत में बैठकर ग्रहण किया । प्रधान साहब रजिंदर सिंह छावड़ा ने शाल एवं सिरोपा प्रदान कर इन्हें सम्मानित किया। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी हरजीत सिंह खालसा ने सर्वत्र के भले

की अरदास प्रार्थना संपन्न करवाई। मनप्रीत सिंह आहूजा मिक्की ने संचालन किया। गोरखपुर, मदनमहल, इकबाल भवन, जसुजा सिटी, रांझी, आधारताल एवं खमरिया सहित नगर केविभिन्न क्षेत्रों में मीठी लस्सी छबूल के स्टाल लगाकर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की । प्रधान साहब रजिंदर सिंह छावड़ा, हरजीत सिंह सूदन कुक्कू, मनप्रीत सिंह आहूजा मिक्की, सानू सलूजा, करनल सिंह छावड़ा एवं प्रबंधक कमेटी ने आभार व्यक्त किया

समाजसेवी रमेश श्रीवास काकाजी को काटमांडू के अंतर्राष्ट्रीय आयुष सम्मेलन में मिला सम्मान

जबलपुर।

भारत-नेपाल सहयोग से काटमांडू में आयोजित इंटरनेशनल आयुष कांक्लेव 4.0 (नेपाल एडिशन) में संस्कारधानी जबलपुर के वरिष्ठ समाजसेवी रमेश श्रीवास काकाजी को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें जल चिकित्सा, स्वास्थ्य जागरूकता, दूषित जल से होने वाली बीमारियों के बचाव तथा खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों के



दुष्प्रभाव से जुड़ी बीमारियों पर उनके योगदान एवं उद्बोधन के लिए प्रदान किया गया।

नियमित योगाभ्यास से सर्वांगीण विकास संभव

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्मॉल वंडर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य विलियम डाइस ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की एक अनमोल देन है जो तन मन और आत्मा को एक सूत्र में पिरोती है, आज पूरा विश्व योग की शक्ति और इसके महत्व को स्वीकार कर रहा है, इस वर्ष (2026) हम "स्वस्थ बुद्धि और दीर्घायु के लिए योग" थीम के साथ यह दिवस मना रहे हैं, आज की अच्छी आदतें ही हमारे सुरक्षित भविष्य की नींव हैं। योग को केवल एक दिन का उत्सव न बनाएं, बल्कि इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, करें योग रहें निरोग।



एसडीसी नेशनल लेवल मिक्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई मप्र टीम



जबलपुर। मध्यप्रदेश मिक्स बॉक्सिंग एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. प्रकाश धीरावानी के अनुसार दिनांक 20 एवं 21 जून को रायपुर में आयोजित प्रतियोगिता के लिए मप्र मिक्स बॉक्सिंग एसो. के अध्यक्ष नीलेश रावल द्वारा सभी चयनित खिलाड़ियों को किट प्रदान की गई। संघ के सचिव सुभाष माझी, कोषाध्यक्ष विनोद पोद्दार, उपाध्यक्ष केएल घोष, विनोद ठाकुर, प्रवीण गुप्ता, प्रवीण यादव, राजेन्द्र धवलपुरी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। टीम में खुशी ठाकुर, तनीषा

बर्मन, फजहर अहमद मंसूरी, ज्योम सिंह ठाकुर, असमित यादव, यश ठोके, उमर मनियार, आंगेश, चंदांत सिंह राजपूत, बृजेश परिहार, शौर्य सिंह राजपूत, मयूर पटेल, हर्ष कटार, सात्विक कश्यप, अंश परिहार रवाना हुए।

श्री विनीत श्रीवास्तव- एमआईजी 175, धनवंतरी नगर निवासी श्री विनीत श्रीवास्तव (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती कंचन बर्मन- गुलोआ चौक के पास गढ़ा निवासी श्री अभिषेक बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन बर्मन (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती मीरा बाई कोल- कांचवर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाई निवासी श्री गंगादीन कोल की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बाई कोल (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ। श्री संतोष विश्वकर्मा- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री संतोष विश्वकर्मा (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती उषा मिश्रा- एल्आईजी 98, मंदर टेरेसा नगर



कटंगी रोड निवासी श्री सुरेश मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती उषा मिश्रा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राम किशोर विश्वकर्मा- कमला नेहरू नगर निवासी श्री राम किशोर विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया। श्री संजीव शुक्ला- दयानगर पार्क के पास यादव कॉलोनी निवासी श्री संजीव शुक्ला (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री संतोष कुमार गुप्ता- रायल अपार्टमेंट के पास मदनमहल चौक निवासी श्री संतोष कुमार गुप्ता

(70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्री पंकज केवट- जीसीएफ राम मंदिर के निकट निवासी श्री जगदीश केवट के पुत्र श्री पंकज केवट (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रेखा रोहरा- राइट टाउन निवासी श्री किशोर रोहरा की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा रोहरा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जयंती बाई पटेल- करमेता निवासी श्रीमती जयंती बाई पटेल (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल सतीजा- गली नं. 11 शांतिनगर दमोहनका निवासी श्री शंकर लाल सतीजा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

मझौली।

नगर मझौली में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से लोगों में दहशत का माहौल है। नगर के विभिन्न वार्डों में कुत्तों के झुंड खुलेआम घूमते हुए राहगीरों, बच्चों और बुजुर्गों पर हमले कर रहे हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों में भय और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह और शाम के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। कई जगह कुत्तों के काटने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। नागरिकों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा न तो कुत्तों की संख्या नियंत्रण के लिए कोई ठोस अभियान चलाया जा रहा है और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा



कुत्तों को पकड़ने, उनका टीकाकरण एवं नसबंदी कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा प्रभावित लोगों के उत्पचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

रादुविवि दीक्षांत रिहर्सल में विवाद, 220 स्कॉलर्स ने मंचीय सम्मान को लेकर जताया विरोध

जबलपुर। राणी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह से पहले आयोजित रिहर्सल के दौरान उस समय विवाद की स्थिति बन गई जब यह जानकारी सामने आई कि 21 जून को होले वाले दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के कर-कमलों से केवल 20 चयनित विद्यार्थियों को ही मंच पर स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान की जाएगी, जबकि शेष लगभग 220 स्वर्ण पदकधारी, पीएचडी, डीएलिट, एवं डीएससी शोधार्थी केवल निर्धारित स्थान से ही अभिवादन करेंगे। इस निर्णय के बाद उपस्थित विद्यार्थियों में अस्तीर्ष फैल गया और उन्होंने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए विरोध दर्ज करवाया। विद्यार्थियों का कहना था कि समाज के अल्पसंख्यक प्रांत स्त्री स्कॉलर्स के साथ समान व्यवहार होना चाहिए और चयन के मानदंड सार्वजनिक किए जाने चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में शोधार्थी कुल्लुगु कार्यालय पहुंचे और समान अवसर एवं पारदर्शिता की मांग की। विद्यार्थियों ने सुझाव दिया कि यदि स्त्री को राष्ट्रपति के हाथों मंचीय सम्मान देना संभव नहीं है, तो शेष विद्यार्थियों को राज्यपाल द्वारा उपाधि एवं पदक प्रदान किए जाएं। इसी बीच कुछ विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के एक



कर्मचारी पर अमर व्यवहार का आरोप भी लगाया, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यवाही की मांग की गई। बाद में कुल्लुगु ने विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की परंपरा और व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्तियां रखीं। विद्यार्थियों ने इस मुद्दे पर जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय को संयुक्त ह्रापन भी सीपा। विरोध में शामिल शोधार्थियों और स्वर्ण पदकधारियों ने इसे समानता और सम्मान के अधिकार से जुड़ा विषय बताते हुए पारदर्शी व्यवस्था की मांग की।



प्रधानमंत्री के सेवा, सुशासन के 12 पूर्ण होने पर लगा जन कल्याणकारी शिबिर

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर राणी लक्ष्मीबाई वाई क. 66 में विशाल जन कल्याणकारी शिबिर का आयोजन किया गया। केंद्र विधायक अशोक रोहणी के मार्गदर्शन एवं वाई पार्षद कृष्णदास चौधरी के प्रयासों से आयोजित इस शिबिर में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की गई। शिबिर में क्षेत्र के लगभग 300 हितवाहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने उपस्थित होकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की एवं अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहणी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अल्पसंख्यक वर्गों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिकधिक लाभ लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर लोकप्रिय दादू, मेवाला यादव, मंडल अय्यक्ष आशीष राव, संतोष राजक, संजय वर्मा, संतोष यादव, अरुणा कुशवाहा, आशुतोष दुबे, डॉ. संतलाल चौधरी, अनिल प्रताप ठाकुर, भुजलाल चौधरी, वंदना विनोदिया, आरती बेन, मोनू सेन, दुर्गा मिश्रा, मनी ठाकुर, देविका ठाकुर, श्रवण राजक सहित भाजपा के समस्त कार्यकर्ता व हितवाही तथा क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

जबलपुर।

केंद्रीय खेल एवं कला परिषद, म.प्र. पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित 48वीं अंतर क्षेत्रीय तैराकी प्रतियोगिता (वर्ष 2026-27) का शुभारंभ 18 जून को रामपुर स्थित तरणताल में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अभियंता (मा.संसा. एवं प्रशा.) धीरेन्द्र सिंह, म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर ने की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) अशोक सिंह धुवें, अति. मुख्य महाप्रबंधक (संचा./संधा.) संजय निगम, मुख्य महाप्रबंधक (क्रय एवं भंडार) अवनशी तिवारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता

सद्भावना मंच ने समान नागरिक संहिता के विरोध में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। सद्भावना मंच जबलपुर द्वारा पंटाधर में कलेक्टर को समान नागरिक संहिता के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर बहुजन मुक्ति मोर्चा, बुद्धिस्ट इंटरनेशनल फोरम, भारत मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मंच ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न किया जाए तथा कोई भी कानून जबरन लागू न किया जाए। उन्होंने ड्राफ्ट कमेटी को 11 बिंदुओं पर आधारित आपत्तियां एवं सुझाव भी प्रस्तुत किए, जिसमें कहा गया कि प्रस्तावित कानून संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों, विशेषकर धार्मिक स्वतंत्रता से टकराता है। मुख्य मांगों में यह भी शामिल रहा



कि जिस प्रकार आदिवासी जनजाति समुदाय को इस कानून से बाहर रखा गया है, उसी प्रकार अल्पसंख्यक समुदाय को भी इससे बाहर रखा जाए तथा उनके पर्सनल लाॅ में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न किया जाए। इस अवसर पर सद्भावना मंच के अध्यक्ष एडवोकेट ओपी यादव, सचिव शकील अहमद

सहित घनश्याम यादव, अमित पांडे, भावना दीक्षित, अंजना कुररिया, दलबीर सिंह, गुरमीत सिंह, गुलाम रसूल, अतुल जोसफ, मोहम्मद मेहदी, राम राज पटेल, प्रवीण गविण, चंद्रशेखर टुंडे, राहुल बोध, मधुसूदन सिंह, संजय बोध एवं रमन पटेल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

48वीं अंतर क्षेत्रीय तैराकी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ



(सिविल) प्रहलाद मसंकोले, अति. मुख्य महाप्रबंधक (आईटी) प्रशांत कुमार तथा महाप्रबंधक (स्थापना) आर.सी. साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी, म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा म.प्र.

पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के 09 क्षेत्रों एवं संभागों से लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, बटरफ्लाई, ब्रेस्ट स्ट्रोक, ईडविजुअल मेडल एवं मेडल रिले जैसी विभिन्न तैराकी स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

राजस्व अमले की मध्यस्थता से सुलझा सड़क निर्माण विवाद, सलैया में कार्य पुनः शुरू

बरेला। ग्राम सलैया में लोक निर्माण विभाग द्वारा चल रहे सड़क निर्माण कार्य के दौरान जल निकासी को लेकर ग्रामीणों और किसानों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के कारण कार्य कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। मामला सामने आने पर प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए स्थल पर पहुंचकर समाधान कराया। अतिरिक्त तहसीलदार शशांक दुबे के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम, पीडब्ल्यूडी उपयंत्री तथा क्षेत्रीय पटवारी ने मौके का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों और किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना गया। प्रशासन द्वारा जल निकासी के



लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया गया, जिसके तहत आपसी सहमति से कुछ खेतों की मेढ़ के बीच से पक्की सीसी नाली बनाने का निर्णय लिया गया, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से

हो सके और किसानों की फसल या खेतों को कोई नुकसान न पहुंचे। सभी पक्षों की सहमति के बाद सड़क निर्माण कार्य की बाधा दूर हो गई और कार्य पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ कर दिया गया।

जैन समाज का श्रुत पंचमी विधान आज

जबलपुर। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन स्वर्ण मंदिर लॉडगंज, जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, जैन संरक्षण सभा एवं अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद लॉडगंज शाखा के सहयोग से पूज्य मुनि श्री 108 श्री निंदोव सागर महाराज, 108 निष्कप सागर महाराज, 108 निष्कप सागर महाराज, 105 गुरुमति माताजी संघ, 105 द्धमति माताजी संघ, 105 गुणमती माताजी संघ के सान्निध्य में आज दिनांक 19 जून को जिनवाजी शोभा यात्रा कर्मजिया गेट से निकाली जाएगी उसके पश्चात मुनि राज के एवं माता जी संघ के पंचजन श्री विद्यासागर सभागार लाखा भवन में होगा। चंदना संगमन अध्यक्ष संघा जैन शत, शाखा अध्यक्ष मीना बड़कुल, सचिव संजना जैन, कोषाध्यक्ष भानु प्रिया जैन ने समाज के सभी वर्गों से शोभा यात्रा में शामिल होने का निवेदन किया है, शोभायात्रा में सभी लोग शामिल होकर धर्म लाभ लें।

नाम परिवर्तन सूचना
मे सपना बाई (SAPNA BAI) सर्व साधारण को सूचित करती हैं कि मेरे सभी साकी/अर्द्धसाकीय दस्तावेजों में मेरा नाम सपना बाई (SAPNA BAI) है जो कि सही है। परन्तु मेरे आधार कार्ड में लिपिक त्रुटिवा गौरी देवी (GORI DEVI) दर्ज हो गया है, जो गलत है, यह दिवसि के बाद मुझे सपना बाई (SAPNA BAI) के नाम से जाना पहचाना जावे।
गलत नाम- गौरी देवी (GORI DEVI)
सही नाम- सपना बाई (SAPNA BAI)
निवासी- 29/1, खापामाल, ग्राम पंचायत खापामाल जनपद पंचायत बीजाडाई तह. नारायणगंज जिला - मण्डला

नाम परिवर्तन सूचना
मैं अमित बाशानि AMIT BASHANI पिता आनंद राम बाशानि वर्तमान निवासी - प्लाट नं. 70, स्वास्तिक सिटी, राजूल सिटी के पास, फेज-1 कजरवारा रोड, बाई नं. 66, बिलहरी जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि यह कि, मेरे पासपोर्ट नं. U3789535 में त्रुटिवा मेरा नाम AMIT KUMAR BASHANI दर्ज हो गया था। यह कि, मेरे सभी दस्तावेजों, जैसे- आधार कार्ड पेन कार्ड एवं अंकरचुी में मेरे नाम अमित बाशानि AMIT BASHANI दर्ज है तथा मैं सभी जगह अपना नाम AMIT BASHANI लिखता पढ़ता हूँ। इस शपथ पत्र का उद्देश्य मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम AMIT BASHANI नाम सुधार कवाकर नवीनीकरण कवाना है।
पूतना नाम-AMIT KUMAR BASHAN
वर्तमान नाम-AMIT BASHANI

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोटा, जिला बिलासपुर, छ.ग. राजवर
प्र.क्र.202602072200008/31-6/2025-26, ग्राम-रतनपुर, तहसील-रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग. अपीलकर्ता।

तारा शिंदे पति भरतराव ग. निवासी करेशपाड़ा, तहसील रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग. उत्तरवादीगं।
"सूचना"

प्रति,
1. यशवंत पिता कामेश्वर 2. संजय पिता कामेश्वर 3.अजय पिता कामेश्वर निवासी करेशपाड़ा रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.4. शालिनी पिता शत्रुघ्नराव निवासी मंकन नं. 197 वीर सावरकर वाई गढ़ा, जबलपुर म.प्र. विषय:-पेशी में उपस्थित होने बाबत।

इस न्यायालय में अपीलार्थीगण श्री डी.डी. आहूजा पिता स्व. देहकनदास आहूजा वगै. निवासी मेनरोड नया सरकड़ा बिलासपुर, तहसील एवं जिला बिलासपुर, छ.ग.भू.-राजवर सहिता, 1959 की धारा 44 (1) के तहत त्राम-रतनपुर न्यायालय तहसीलदार, रतनपुर के रा.प्र.क्र. 202508072 300015/31-6/2024-25, आदेश दिनांक 11.12.2025 के विरुद्ध में अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25.06.2026 को अपीलतहस्तकर्ता के न्यायालय में नियत है।
पदद्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, आप उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु अपीलतहस्तकर्ता के न्यायालय में उक्त दिनांक एवं स्थान में 11.00 बजे स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण में भाग ले सकते हैं। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
यह भी सूचित किया जाता है कि, यदि उक्त नियत दिनांक को अवकाश घोषित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी न्यायालयीन दिवस में की जावेगी।

आज दिनांक.....को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायाल की सील मूहर द्वारा जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स 1 जुलाई से वाणिज्यिक वाहनों की कीमत 2.5% बढ़ाएगी



नई दिल्ली। टाटा मोटर्स कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और अन्य लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के लिए एक जुलाई से अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। यह मूल्य वृद्धि उसके सभी वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होगी बढ़ोतरी की मात्रा अलग-अलग हो सकती है।

वारी रिन्यूएबल ने खरीदी एपीएसपीएल में हिस्सेदारी



नई दिल्ली। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज ने एसोसिएटेड पावर स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी का 1,225 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि यह अधिग्रहण प्राथमिक (प्राइमरी) और द्वितीयक (सेकेंडरी) दोनों माध्यमों से शेयरों के आवंटन एवं हस्तांतरण के जरिये किया गया है।

मोतीलाल ओसवाल करेगी जेबीएम इकोलाइफ में निवेश



नई दिल्ली। जेबीएम ऑटो लिमिटेड ने बुधस्पतिवार को कहा कि उसकी समूह कंपनी जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने मोतीलाल ओसवाल समूह की वैकल्पिक निवेश इकाई मोतीलाल ओसवाल अल्टरनेट्स (एमओ अल्टरनेट्स) से 750 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक रणनीतिक निवेश हासिल किया है।

रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 94.36 प्रति डॉलर पर



मुंबई। रुपया बुधस्पतिवार को 14 पैसे की बढ़त के साथ 94.36 प्रति डॉलर पर रहा। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते के मद्देनजर घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका-ईरान शांति समझौते के तहत विभिन्न मुद्दों पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी निवेशकों की धारणा को बल दिया।

बाटा इंडिया ने राव को कंपनी का एमडी नियुक्त किया



नई दिल्ली। जूते-चप्पल बनाने वाली प्रमुख कंपनी बाटा इंडिया लिमिटेड ने संजय राव को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। बाटा इंडिया लिमिटेड ने बुधस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि राव अब गुंजन शाह की जगह लेंगे।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन मिश्री का कार्यकाल बढ़ा



नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एचडीएफसी बैंक के अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन के रूप में केकी मिश्री के कार्यकाल को तीन महीने तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। बैंक ने बुधस्पतिवार को यह जानकारी दी। अब उनका कार्यकाल 18 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ‘आरबीआई ने बैंक के आवेदन पर 18 जून, 2026 को प्राप्त संचार के माध्यम से यह मंजूरी दी है।

खरबपति बनने के बाद मस्क को पहला झटका, 24 घंटे में ही 53,298 करोड़ खाहा

एजेसी ►► नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में रिकॉर्ड आईपीओ के बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई।

- एक ही दिन में मस्क के नेटवर्थ में आई 56.4 अरब डॉलर की गिरावट
- बुधवार को शेयर करीब 5 प्रतिशत टूट गए, जिससे लगातार तीन दिनों से जारी लगभग 50 प्रतिशत की तेजी पर विराम लग गया। इससे एलन मस्क को एक ही दिन में 56.4 अरब डॉलर यानी 53,298 करोड़ रुपए का झटका लगा।

मस्क के नेटवर्थ में आई यह गिरावट भारत के कई अरबपतियों के जीवनभर की कमाई के बराबर है। हालांकि, एलन मस्क के पास अभी भी 1.26 खरब डॉलर

कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में आईपीओ के बाद पहली बार गिरावट दर्ज

एसएंडपी 500 में 1.2 प्रतिशत की गिरावट

नास्डेक 100 में 1 प्रतिशत की कमजोरी के अलावा बांड यील्ड और डॉलर दोनों मजबूत हुए। इसका असर स्पेसएक्स जैसे हाई-वैल्यूएशन टेक शेयरों पर भी पड़ा। स्पेसएक्स के कुल शेयरों में से केवल करीब 4.2 प्रतिशत शेयर ही बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं। कम फ्री-फ्लोट के कारण शेयर में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले महीनों में जब लॉक-इन अवधि खत्म होगी और अंदरूनी निवेशक शेयर बेच सकेंगे, तब शेयर पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।



दुनिया की छठी मूल्यवान कंपनी बन गई

ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक नैस्डेक पर कारोबार के दौरान स्पेसएक्स के शेयर पहले 6 प्रतिशत तक चढ़े थे, लेकिन बाद में बिकवाली हावी हो गई और स्टॉक लाल निशान में बंद हुआ। गिरावट के बावजूद स्पेसएक्स का मार्केट कैप करीब 2.5 ट्रिलियन डॉलर बना हुआ है। हालांकि कंपनी वैल्यूएशन के मामले में फिर से अमेजन से नीचे खिसक गई और दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। इसके बावजूद शेयर अभी भी अपने 135 डॉलर के आईपीओ मूल्य से 42 प्रतिशत से अधिक ऊपर कारोबार कर रहे हैं।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक ने जारी किए आंकड़े

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन 2025 में आठ प्रतिशत गिरकर 36,793 करोड़

एजेसी ►► नई दिल्ली/ ज्यूरिख

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 36,793 करोड़ रुपये) रह गया। यह गिरावट स्थानीय शाखाओं और अन्य बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी गई राशि में कमी के कारण हुई।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की तरफ से बुधस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट आने के बावजूद व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (करीब 6,000 करोड़ रुपये) हो गया।

जमाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 16 प्रतिशत रही

हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में रहा, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही।

सन 2018 से भारत के साथ सूचना का आदान-प्रदान

अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के ‘लोकेशनल बैंकिंग स्टैटिस्टिक्स’ के मुताबिक, स्विस बैंकों में भारतीय व्यक्तियों के जमा धन में 2025 के दौरान 20 प्रतिशत बढ़कर 8.97 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 780 करोड़ रुपये) हो गया। स्विट्जरलैंड और भारत के बीच 2018 से कर मामलों में स्वतः सूचना आदान-प्रदान व्यवस्था लागू है, जिसके तहत स्विस वित्तीय संस्थानों में खाताधारकों से जुड़ी विस्तृत जानकारी हर साल भारतीय कर अधिकारियों के साथ साझा की जाती है।

52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा

एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा, 2.6 अरब स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये, 1.86 करोड़ स्विस फ्रैंक विश्वस्त संस्था या ट्रस्ट के जरिये और 10.57 करोड़ स्विस फ्रैंक बॉन्ड एवं प्रतिभूतियाँ जैसे अन्य वित्तीय साधनों के रूप में थे।



- कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद व्यक्तिगत खातों में धन बढ़ा
- व्यक्तिगत और संस्थागत खातों में धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा
- कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा ‘बैंकों को देय राशि’ के रूप में रहा

धन जमा के मामले में ब्रिटेन पहले स्थान पर

वैश्विक स्तर पर स्विस बैंकों में विदेशी ग्राहकों की कुल जमा राशि 2025 में करीब आठ प्रतिशत घटकर 1.05 लाख करोड़ स्विस फ्रैंक रही। देशवार आंकड़ों में स्विस बैंकों में मौजूद विदेशी ग्राहकों के धन के मामले में ब्रिटेन 192 अरब स्विस फ्रैंक के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि अमेरिका (75 अरब स्विस फ्रैंक) और फ्रांस (63 अरब स्विस फ्रैंक) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि, भारत वर्ष 2024 के 48वें स्थान से सुधरकर 2025 में 46वें स्थान पर पहुंच गया।

पाकिस्तान रैंकिंग में 108वें स्थान पर

पाकिस्तान की जमा राशि 27.2 करोड़ स्विस फ्रैंक से घटकर 25.7 करोड़ स्विस फ्रैंक रह गई, जबकि बांग्लादेश की जमा राशि 43 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी के साथ 84.2 करोड़ स्विस फ्रैंक पहुंच गई। रैंकिंग में बांग्लादेश 81वें स्थान पर रहा जबकि पाकिस्तान 108वें स्थान पर है।

पेट्रोसायन उत्पादों पर शुल्क छूट बढ़ा सकती है सरकार



- छूट 30 जून के बाद भी बढ़ाने का निर्णय ले सकती है सरकार

एजेसी ►► नई दिल्ली

सरकार, पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति और उससे जुड़े राजस्व प्रभावों का आकलन करने के बाद करीब 40 उत्पादों पर आयात शुल्क में दी गई छूट को 30 जून के बाद भी बढ़ाने का निर्णय ले सकती है। एक अधिकारी ने बुधस्पतिवार को यह जानकारी दी।

घरेलू उद्योग को आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से बचाने के लिए सरकार ने दो अप्रैल से ‘’ अस्थायी एवं लक्षित राहतों’ के तहत महत्वपूर्ण पेट्रोसायन उत्पादों के आयात पर सीमा शुल्क से छूट दी थी। इसके तहत निर्जल अमोनिया, टोल्यून, स्ट्राइलोन, विनाइल

क्लोराइड मोनोमर समेत करीब 40 उत्पादों पर सीमा शुल्क ‘शून्य’ कर दिया गया था। यह छूट 30 जून तक के लिए मान्य है। इसका उद्देश्य प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, औषधि, रसायन, वाहन कलपुर्जों और अन्य विनिर्माण जैसे पेट्रोसायन आधारित कच्चे माल तथा मध्यवर्ती उत्पादों पर निर्भर क्षेत्रों को राहत देना है। अधिकारियों ने बताया कि इस छूट को आगे बढ़ाने का निर्णय लेते समय इससे जुड़े राजस्व प्रभावों पर भी विचार करना होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति और होमजुज जलडमरूमध्य के जरिये माल ढुलाई की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

सीमा शुल्क से 2.71 लाख करोड़ राजस्व का लक्ष्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सीमा शुल्क से 2.71 लाख करोड़ रुपये राजस्व का लक्ष्य रखा है, जो वित्त वर्ष 2025-26 के 2.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और होमजुज जलडमरूमध्य में अवरोध के कारण कच्चे तेल, खाद्य एवं उर्वरक आयात महंगे हो गए हैं। साथ ही, इस मार्ग से माल ढुलाई में कमी आने से कच्चे माल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

कॉमिनजेंट व पिर्यसन की संयुक्त अध्ययन में यह बात सामने आई

भारत में 37 प्रतिशत कार्य पहले ही एआई कर रहा

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत में ‘प्रवेश स्तर’ की नौकरियों के लगभग 37 प्रतिशत कार्य पहले से ही कृत्रिम मेधा (एआई) कर रहा है जबकि वैश्विक स्तर पर यह औसत 33 प्रतिशत से अधिक है। एक संयुक्त अध्ययन में यह बात सामने आई। ‘एंट्री-लेवल’ भूमिकाएं से तात्पर्य उन कार्यों से है जिनके लिए बहुत ज्यादा अनुभव की जरूरत नहीं होती। कॉमिनजेंट एवं पिर्यसन की रिपोर्ट अनुसार, ‘प्रवेश स्तर’ की भूमिकाएं अब तेजी से बदल रही हैं और कंपनियां कार्य निष्पादन से आगे बढ़कर एआई प्रणाली के साथ काम करने की दिशा में जा रही हैं।



कंपनियां एआई को रोजमर्रा के काम में तेजी से शामिल कर रहे

अध्ययन में यह भी कहा गया कि भारत में 80 प्रतिशत संगठन मानते हैं कि एआई कर्मचारियों को उच्च मूल्य वाले कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर 77 प्रतिशत है। कॉमिनजेंट इंडिया के अध्यक्ष (वैश्विक संवाहन) और चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजेश वैरियर ने कहा कि भारत प्रवेश स्तर के काम में एआई बदलाव के मामले में अग्रणी है और कंपनियां एआई को रोजमर्रा के काम में तेजी से शामिल कर रही हैं।

वैश्विक औसत 33 प्रतिशत : यह सर्वेक्षण अमेरिका, ब्रिटेन और भारत के 750 एचआर दिग्गजों पर आधारित है। इसे 23 मार्च से तीन अप्रैल, 2026 के बीच वेबकैम्प रिसेर्च द्वारा किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 37 प्रतिशत ‘एंट्री-लेवल’ कार्य एआई कर रहा है, जबकि वैश्विक औसत 33 प्रतिशत है। लगभग 18 प्रतिशत एचआर पेशेवरों ने बताया कि एआई अब आधे या उससे अधिक प्रवेश स्तर के काम को संभाल रहा है।

जैसे-जैसे काम का तरीका बदलेगा एआई की क्षमता विकसित होगी

वैरियर ने कहा कि भूमिकाओं का मौलिक पुनर्गठन हो रहा है, जहां शुरुआती करियर वाले कर्मचारियों से एआई के साथ काम करने और अधिक मूल्य आधारित परिणाम देने की उम्मीद की जा रही है। पिर्यसन की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी अली बेबो ने कहा कि जैसे-जैसे काम का तरीका बदलेगा, बड़े संगठन उन क्षमताओं को विकसित करने पर अधिक ध्यान देंगे जो लोगों और एआई को एक साथ काम करने में मदद करेंगी।

की संपत्ति है। इस साल मस्क का नेटवर्थ 640 अरब डॉलर उछला है।

आखिर क्यों आई गिरावट ?

यह गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली और दबाव की वजह से आई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ह्वाज दरें तो स्थिर रखीं, लेकिन इस साल के अंत तक संभावित रेट ह्राहक के संकेत दिए। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में बिकवाली बढ़ गई।
रिटेल् निवेशकों की पहली पसंद बना स्पेसएक्स : आईपीओ के बाद से स्पेसएक्स अमेरिकी रिटेल निवेशकों का सबसे पसंदीदा शेयर बन गया है। डेटा के मुताबिक, आईपीओ के बाद हर दिन स्पेसएक्स में खुदरा निवेशकों की खरीदारी एकट्डीया, अलफाबेट, अमेजन, मेटा और प्रमुख इंटीएफ कंपों को संयुक्त खरीदारी के बराबर रही। दित्तरूप बात यह है कि इसी अवधि में मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला ने लगभग 6.1 करोड़ डॉलर की थुड़ बिकवाली हुई।

तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी होने की संभावना: केंद्र



एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से 2.21 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाए जाने के बाद अब पात्र लोगों के लिए लगभग तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी किए जाने की गुंजाइश है।

जोशी ने यहां स्मार्ट भंडारगृह प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकारों द्वारा उनके अपने मानदंडों के आधार पर की गई है, केंद्र सरकार ने कोई राशन कार्ड नहीं हटाया है। खाद्य मंत्रालय ने मृत



व्यक्तियों, आयकरदाताओं और चार पहिया वाहन मालिकों सहित 8.51 करोड़ अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर सूची राश्यों को कार्रवाई के लिए सूची थी। जोशी ने कहा, ‘’8.51 करोड़ में से राश्यों ने 2.21 करोड़ राशन कार्ड वापस लिए हैं। हमने कोई कार्ड नहीं हटाया है।’’

पीडीएस के डिजिटलीकरण के कारण संभव हो पाई

जोशी ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया पीडीएस के डिजिटलीकरण के कारण संभव हो पाई है। उन्होंने बताया कि राश्यों को पात्र लाभार्थियों को जोड़ने की अनुमति दी गई है और विभिन्न राज्य सरकारें मिलकर लगभग तीन करोड़ और राशन कार्ड जारी कर सकती हैं।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी, सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा

एजेसी ►► मुंबई

भू-राजनीतिक मोचों पर सकारात्मक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में जारी नरमी से स्थानीय शेयर बाजार बुधस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 254 अंक और निफ्टी में 82 अंक की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 254.36 अंक की बढ़त के साथ 77,409.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 77,492.33 अंक के उच्चतम और



- भू-राजनीति मोचों पर सकारात्मक रुख रहा

76,953 के निचले स्तर तक गया। इसी तरह निफ्टी भी 82.30 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 24,168 अंक पर बंद हुआ।

बुधस्पतिवार को सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरलोब एनविशन (इंडिंगो), ट्रेट, भारत इलेक्ट्रोनिक्स, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहें। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही।

एनएसई के शेयरधारकों को आईपीओ से तगड़ा लाभ होने का अनुमान

एजेसी ►► नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अपने मौजूदा शेयरधारकों के लिए बड़ा मूल्य सृजन करने जा रहा है, जिससे संस्थागत निवेशकों, वित्तीय संस्थाओं और उद्योग के दिग्गजों को हजारों करोड़ रुपये का लाभ मिलने की संभावना है।

देश के सबसे बड़े शेयर बाजार एनएसई ने बुधवार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के पास अपने आईपीओ की मंजूरी के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए इस निर्गम का आकार लगभग



- एसबीआई, दमानी और संस्थागत निवेशक होंगे बड़े लाभार्थी
- निर्गम का आकार लगभग 30,000 करोड़ रुपए होगा

30,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। यह पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा और इसमें कोई नए शेयर नहीं जारी किए जाएंगे।

मांग घटने से सोना 960 रुपए घटा, चांदी 6,660 रुपए टूटी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 960 रुपये टूटकर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, शेयर बाजार में तेजी के बीच सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में कीमती धातुओं की मांग घटने से चांदी की कीमत 6,660 रुपये लुढ़क गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 960 रुपये टूटकर 1,53,440 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। चांदी में भी भारी बिकवाली का दबाव देखा गया और इसकी कीमत 6,660 रुपये लुढ़ककर 2,48,740 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई।

- सोना घटकर 1.53 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी टूटकर 2,48,740 रुपए प्रति किलोग्राम

चिंतन

यूएस-ईरान डील: दुनिया ने ली राहत की सांस

आखिरकार 111 दिनों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान युद्ध खत्म करने पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियानने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए। खाड़ी संकट दूर होने से दुनिया ने राहत की सांस ली है। अब उम्मीद की जा सकती है कि तेल के दाम कम होंगे, महंगाई घटेगी और सप्लाई चेन बाधित नहीं होगी। महंगाई बढ़ने की आशंकाओं पर रोक लगेगी। हालांकि सफर लंबा है। युद्ध पूर्व के हालात बहाल होने में अभी समय लगेगा। अब देखा जाए जो इस संघर्ष में अमेरिका ने अपना नुकसान ही किया है। उसे कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। वहीं, ईरान ने भी इस युद्ध में काफी नुकसान झेला है। यहां तक की अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई तक को खो दिया। इसके अलावा भी कई बड़े नेता भी इसमें मारे गए हैं। इसके बावजूद वार्ता की मेज पर ईरान अपनी कई प्रमुख मांगों को आगे बढ़ाने में सफल दिखाई देता है। उसने इस समझौते में अपनी लगभग सभी शर्तें मनवा ली हैं। अब वह होमुज से गुजरने वाले जहाजों से पैसा वसूल सकेगा। अमेरिका उसके सभी फ्रीज खाते खोलेगा और पुनर्निर्माण में भी मदद करेगा। साथ ही ईरान पर लगा तेल बचेन का बैन भी खत्म होगा। कुल मिलाकर ईरान के लिए यह समझौता काफी मददगार साबित होगा। बिना सोचे समझे फैसला करने के आदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे अपनी जीत ही बताएंगे, लेकिन वह ऐसा कुछ भी हासिल नहीं कर सके, जिसे उनकी उपलब्धि कहा जाए। अमेरिका ने इन हमलों पर भारी भरकम खर्च किया। दूसरी तरफ ईरान ने जवाबी कार्रवाई से मुंहतोड़ जवाब दिया और खाड़ी देशों में उसके एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचाया। इस युद्ध से अमेरिका को अपनी सीमा भी पता चल गई। चूंकि वह ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन करवा पाया और न ही उसके मौजूदा शासन को झटका दे पाया। इस संघर्ष ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत का प्रदर्शन नहीं होते, बल्कि उनकी आर्थिक और राजनीतिक कीमत भी बहुत अधिक होती है। अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी यह एहसास हुआ कि किसी देश की सरकार को केवल सैन्य कार्रवाई के जरिए बदलना आसान नहीं है। वहीं, ईरान ने भी यह दिखाया कि वह दबाव के सामने पूरी तरह झुकने को तैयार नहीं है। यही कारण रहा कि अंततः दोनों को बातचीत का रास्ता चुनना पड़ा। फिर भी इस समझौते को अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। यह केवल एक अंतरिम व्यवस्था है, जिसके बाद कई जटिल मुद्दों पर आगे बातचीत होनी बाकी है। क्षेत्रीय सुरक्षा, प्रतिबंधों की स्थायी समाप्ति, परमाणु कार्यक्रम और पारस्परिक विश्वास बढ़ावली जैसे विषय अभी भी चुनौती बने हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर संतुलित समाधान नहीं निकलता, तो भविष्य में तनाव फिर बढ़ सकता है। फिलहाल इतना निश्चित है कि युद्ध की आग पर कूटनीति ने पानी डालने का काम किया है। दुनिया ने राहत की सांस ली है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बड़े संकट से बचने का अवसर मिला है। लेकिन स्थायी शांति केवल समझौते पर हस्ताक्षर करने से नहीं आएगी। इसके लिए दोनों देशों को संयम, विश्वास और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। आने वाला समय बताएगा कि यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनता है या केवल संघर्ष के बीच एक अस्थायी विराम साबित होता है।

दिवस विशेष

योगेश कुमार गोयल



सिकल सेल रोग मुक्त कल की ओर बढ़ रही दुनिया

मानव सभ्यता ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान से लेकर जीन संपादन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों तक विज्ञान ने अनेक असाध्य रोगों के उपचार की संभावनाएं विकसित की हैं। फिर भी दुनिया में करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके लिए जीवन आज भी एक निरंतर संघर्ष बना हुआ है। सिकल सेल रोग उन्हीं चुनौतियों में से एक है। यह केवल एक आनुवंशिक रक्त विकार नहीं बल्कि स्वास्थ्य असमानता, सामाजिक न्याय और चिकित्सा सुविधाओं तक समान पहुंच से जुड़ा वैश्विक प्रश्न बन चुका है। इसी वास्तविकता को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 19 जून को ‘विश्व सिकल सेल दिवस’ मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मान्यता प्राप्त यह दिवस दुनिया का ध्यान उन लाखों रोगियों और परिवारों की ओर आकर्षित करता है, जो प्रतिदिन इस बीमारी से उत्पन्न पीड़ा, भेदभाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2026 में विश्व सिकल सेल दिवस का वैश्विक विषय है ‘जीवन प्रत्याशा में अंतर को कम करना: सिकल सेल रोग में समानता’। यह विषय इस कठोर प्रसर्चाई को सामने लाता है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बावजूद दुनिया के विभिन्न देशों और समुदायों में सिकल सेल रोगियों की जीवन प्रत्याशा में भारी अंतर मौजूद है। विकसित देशों में जहां समय पर जांच, उपचार और विशेषज्ञ देखभाल के कारण रोगी अपेक्षाकृत लंबा जीवन जी रहे हैं, वहीं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हजारों बच्चे पांच वर्ष की आयु पूरी करने से पहले ही इस रोग के कारण दम तोड़ देते हैं। इस असमानता को समाप्त करना आज वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार हर वर्ष लगभग 2.7 लाख बच्चे सिकल सेल रोग के साथ जन्म लेते हैं। इनमें से अधिकांश जन्म उप-सहारा अफ्रीका में होते हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं की सीमित उपलब्धता स्थिति को और जटिल बना देती है। वैश्विक स्तर पर लाखों लोग इस रोग के साथ जीवन जी रहे हैं। पिछले दो दशकों में रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो जनसंख्या वृद्धि, बेहतर निदान तथा स्वास्थ्य आंकड़ों के अधिक सटीक संकलन का परिणाम भी है। सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाएं अर्धचंद्राकार या हंसिए जैसी आकृति धारण कर लेती हैं। ये कोशिकाएं कठोर और चिपचिपी हो जाती हैं तथा रक्त वाहिकाओं में फंसकर रक्त प्रवाह को बाधित करती हैं। परिणामस्वरूप रोगी को असहनीय दर्द, एनीमिया, अंगों की क्षति और कई बार जीवन-घातक जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। सामान्य लाल रक्त कोशिकाओं का जीवनकाल लगभग 120 दिन होता है, जबकि सिकल कोशिकाएं केवल 10 से 20 दिनों में नष्ट हो जाती हैं। इससे शरीर में लाल रक्त कणों की कमी उत्पन्न होती है और रोगी लगातार एनीमिया से ग्रस्त रहता है। रोग के लक्षण प्रायः जन्म के पांच से छह महीने बाद दिखाई देने लगते हैं। बार-बार दर्द का दौरा पड़ना, हाथ-पैरों में सूजन, संक्रमण की अधिक संभावना, विकास में देरी, दृष्टि संबंधी समस्याएं और थकान इसके प्रमुख लक्षण हैं। समय के साथ यह रोग फेफड़ों, यकृत, गुर्दा, हृदय तथा प्लीहा जैसे महत्वपूर्ण अंगों को भी प्रभावित कर सकता है। भारत में सिकल सेल रोग एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में उभर रहा है। विशेष रूप से मध्य भारत के जनजातीय क्षेत्रों में इसका प्रभाव अधिक देखा जाता है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में इसकी व्यापकता अपेक्षाकृत अधिक है। देश की कई जनजातीय आबादियां इस रोग से प्रभावित हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत विश्व के उन देशों में शामिल है, जहां सिकल सेल रोगियों की संख्या सर्वाधिक है। इसी कारण भारत सरकार ने राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2047 तक इस रोग की चुनौती को नियंत्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिशन के तहत बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग, आनुवंशिक परामर्श, जागरूकता अभियान और समय पर उपचार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। जब तक प्रत्येक व्यक्ति को समान स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं होंगी, तब तक स्वास्थ्य न्याय का लक्ष्य अधूरा रहेगा। विश्व सिकल सेल दिवस का सबसे बड़ा संदेश है कि किसी भी बच्चे का जीवन केवल इसलिए छोटान नहीं होना चाहिए कि वह ऐसी जगह पैदा हुआ है, जहां उपचार उपलब्ध नहीं है। स्वास्थ्य समानता ही सिकल सेल मुक्त और अधिक मानवीय विश्व की आधारशिला है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



विश्व परिदृश्य

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत तेजी से व्यापार कूटनीति को अपनी विकास रणनीति का प्रमुख आधार बना रहा है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ओमान और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की दिशा में बढ़ती प्रगति भारत के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। पश्चिम एशिया संकट के समाधान के बाद वैश्विक व्यापारिक माहौल में आई सकारात्मकता भी भारत के पक्ष में दिखाई दे रही है। नए व्यापार समझौते जहां निर्यात, निवेश और विनिर्माण को गति देंगे, वहीं सरल श्रम कानूनों के साथ मिलकर रोजगार सृजन और विकसित भारत के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

व्यापार समझौतों से विकास की इबारत

फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ करते कहा कि मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वे मेरे अच्छे दोस्त हैं और भविष्य में मैं भारत जा सकता हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब दोनों देश व्यापार समझौते के लिए अपने आर्थिक-व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 1 जून से 4 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। इस वार्ता के बाद दोनों देशों ने कहा कि उनके बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से संबंधित 99 प्रतिशत मुद्दे तय हो चुके हैं और दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की राह पर हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी 7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लैयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटीोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इसी वर्ष 2026 के अंत तक कार्यान्वित होने लगेगा। इतना ही नहीं, ब्रिटेन के साथ एफटीए भी आगामी 15 जुलाई से कार्यान्वित होना सुनिश्चित हो गया है।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत आगामी 10 महीनों में 9 एफटीए लागू करेगा। इससे देश निर्यात, विनिर्माण और निवेश का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। 17 जून को पश्चिम एशिया संकट के समाधान से भारत से निर्यात बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मद्देनजर व्यापार समझौतों की अहम भूमिका उभरकर दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जब इस समय वैश्विक निर्यात का ग्राफ तेजी से घट रहा है, वहीं हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-मई माह 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 15 प्रतिशत बढ़ गया है और भारत की विकास दर भी उभरते हुए देशों में सबसे अधिक है। ऐसे में अब नए व्यापार समझौतों से इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में जहां भारत के निर्यात तेजी से बढ़ेंगे, वहीं अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज होगी। विगत एक जून को भारत और ओमान के बीच वृद्ध आर्थिक एवं साझेदारी समझौता (सीडीपीए) लागू हो गया है। इससे आगामी पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 20 अरब डॉलर के पार

पहुंचने का अनुमान है। ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसके जरिये ओमान में भारत के कृषि, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, प्लास्टिक, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान, फुटवियर व ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क समाप्ति और निर्यात विस्तार का अवसर मिलेगा। खास बात यह है कि यह समझौता दक्षिण एशिया, खाड़ी क्षेत्र और पूर्वी अफ्रीका को जोड़ने वाला एक रणनीतिक आर्थिक गलियारा स्थापित करेगा। इससे कारोबार बढ़ने के साथ रोजगार मौके भी बढ़ेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 19वें रोजगार मेले में



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ भारत के तेजी से आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते और मुक्त व्यापार समझौते तथा भारत में लागू किए जा रहे सरल कानूनों से देश के तेज विकास के साथ युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर निर्मित होंगे। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि व्यापार समझौतों को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन चार श्रम संहिताओं-मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार की मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई देंगे। पिछले माह 15 से 20 मई तक प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों-संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा के दौरान इन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, रक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के

प्रसन्नता बन जाए परमात्मा

व्यक्ति का चित्त प्रसन्न रहे तो परमात्मा के दर्शन हो जाएं। यह प्रसन्नता ही परमात्मा बन जाए। मगर आज के भागदौड़ भरे और तनाव के दौर में यह प्रसन्नता आए कैसे? तमाम लोग पैसा कमाने की भागदौड़ में लगे हैं। कोई भी ग्रंथ हो, धर्म हो, अध्यात्म हो, पैसा कमाने के लिए मना नहीं करता, लेकिन धन कमाते हुए भी यदि प्रसन्नता नहीं है तो कहीं पर ठहर कर कुछ विचार तो करना ही चाहिए। कथाओं में एक बात में अक्सर कहता रहता हूं। हमारे ग्रंथों में अपनी कुल आय का दशांश निकालने पर बल दिया गया। दशांश यानी जो भी आप महीने में कमा रहे हैं, उसका दस प्रतिशत हिस्सा समाज के लिए, जरूरतमंद लोगों के लिए खर्च किया जाना चाहिए। आप दो लाख रुपये कमा रहे हैं तो 20 हजार निकाल दें। आपको लगता है कि 20 हजार ज्यादा हैं, आप नहीं निकाल पाएंगे तो एक लाख ही कमाएं। फिर दस हजार ही निकालने होंगे। आपाधापी में लोग प्रसन्न रहना तो जैसे भूलते जा रहे हैं। अध्यात्म में प्रसन्न रहने का बहुत महत्व बताया गया है। हर व्यक्ति को प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि प्रसन्नता परमात्मा तक पहुंचने का द्वार है। हमें प्रसन्न रहते हुए स्वयं की खोज करनी चाहिए। हम दूसरों को ढूंढ़ने और उनमें कमियां व खूबियाँ खोजने में लगे रहते हैं। एक नजर हमें खुद पर भी डालनी चाहिए। व्यक्ति स्वयं की खोज करें, समाज की सेवा करे और परमात्मा से प्रेम करे, उसका भजन करें, आज के समय में प्रसन्न रहने के लिए यह पर्याप्त है। बहुत ज्यादा साधनों में उलझने की आवश्यकता नहीं है।



संकलित

दर्शन

सटाका



करंट अफेयर

हाल के वर्षों में ‘योग’ चीन में काफी लोकप्रिय हो गया

चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक व शारीरिक स्वास्थ्य प्रवृति योग और चीन की ‘एक्ज्युपेर’ और मार्शल आर्ट्स दोनों देशों के बीच साझा सभ्यतागत संबंधों को दर्शाते हैं। चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (सीआईडीसी) के अध्यक्ष लुओ जोहुई ने बुधवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा- हाल के वर्षों में योग चीन में बहुत लोकप्रिय हो गया है। इसी तरह, चीन की एक्ज्युपेर और मार्शल आर्ट्स भारत में काफी महशूस है। उन्होंने इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी की पुस्तक ‘माय फाइव टू थ्राइव’ का विमोचन किया। यह पुस्तक श्वास तकनीकों और योग पर आधारित है। लुओ ने यह टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले की, जो हर वर्ष चीन में उत्साह के साथ मनाया जाता है। योग दिवस हर साल 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी थी। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास शुक्रवार को एक बड़ा योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसके बाद चीन में भारत के अन्य मिशन भी कार्यक्रम आयोजित करेंगे। चटर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि सांस लेना मानव जीवन का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है और श्वास संबंधी तकनीकें बेहतर जीवन जीने में मदद करती हैं।



आज की पाती

पूजा स्थलों का धन चुराना महापाप

चोरी को अपने आप में ही महापातक माना जाता है। बताते हैं कि चोरी करने से मिलने वाला पाप लगभग ब्रह्महत्या, गुरुहत्या, गोहत्या के ही बराबर होता है। और जो धार्मिक, आध्यात्मिक स्थल (मंदिर) में चोरी करे, उसके पापों का हिसाब लगाया जा सकता है। लेकिन कुछ और तथ्यों की जांच-पड़ताल और जानकारी भी बहुत जरूरी है। सामान्य और विशेष, सभी परिस्थितियों में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, गोम्पा व अन्य पूजा स्थल पर चढ़ावे के रूप में प्राप्त होने वाले करोड़ों-अरबों रुपये का लोग क्या करते हैं, किता न धन जमासेवा, लोक कल्याण में लगता है, और किंतना व्यक्तित्त रूप से प्रयोग/दुरुपयोग किया जाता है। ऐसा भी अवसर देखने में आता है कि बहुत सारे लोग इस प्रकार के धन से अपने संपूर्ण परिवार को न सिर्फ पालते ही हैं, बल्कि ऐश्वर्य, वैभव की दिशा में जीते हैं।

- विवेक चौहान, करनाल

ऑफ बीट

विश्व का सबसे बड़ा जलवायु खतरा जो दिखता नहीं

अटलांटिक महासागर की गहराइयों में पानी का एक विशाल प्रवाह उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से गर्मी को ग्रीनलैंड की ओर ले जाता है। इसे ‘अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन’ कहा जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अधिकांशतः हमारी नजरों से दूर होती है, इसलिए वाहनों, ध्रुवीय हिम आवरण या जलवायु को नियंत्रित करने वाली अन्य विशाल प्रणालियों जैसी सार्वजनिक पहचान इसे नहीं मिली। हाल के अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि यह प्रणाली कमजोर पड़ रही है। यदि इसकी गति और धीमी होती है तो दुनिया के लगातार गर्म होने के बावजूद उत्तरी यूरोप में सर्दियां कहीं अधिक ठंडी हो सकती हैं। इसके साथ ही उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की मानसून प्रणालियों में बदलाव हो सकते हैं और अमेरिका के पूर्वी तट पर समुद्र का स्तर अचानक बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों की लगातार चेतावनियों के बावजूद एएमओसी बिरले ही सुर्खियों में आ पाता है। इसका एक कारण मीडिया स्वाभिव और संपादकीय सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन इसके पीछे एक और वजह भी है। दरअसल, एएमओसी आधुनिक पत्रकारिता के सामने एक अनोखी चुनौती पेश करता है। इसे समझना ही नहीं, इसकी कल्पना करना भी कई लोगों के लिए मुश्किल है, क्योंकि अटलांटिक महासागर की गहराइयों में धीरे-धीरे और लगभग खामोशी से संचालित होता है।



विद्वता पर कभी घमंड न करें

महाकवि कालिदास रास्ते में थे। प्यास लगी। वहां एक पनिहारिन पानी भर रही थी। कालिदास बोले- माते! पानी पिला दीजिए बड़ा पुण्य होगा। पनिहारिन बोली- बेटा मैं तुम्हें जानती नहीं। अपना परिचय दो। मैं पानी पिला दूंगी। कालिदास ने कहा- मैं मेहमान हूं, कृपया पानी पिला दें। पनिहारिन बोली- तुम मेहमान कैसे हो सकते हो? संसार में दो ही मेहमान हैं। पहला धन और दूसरा यौवन। इन्हें जाने में समय नहीं लगता। सत्य बताओ कौन हो तुम? तर्क से पराजित कालीदास अवाक रह गए। कालिदास बोले- मैं सहनशील हूं। अब आप पानी पिला दें। पनिहारिन ने कहा: नहीं, सहनशील तो दो ही हैं। पहली, धरती जो पापी-पुण्यात्मा सबका बोझ सहती है। उसकी छाती चौरकर बीज बो देने से भी अनाज के भंडार देती है, दूसरे पेड़ जिनको पत्थर मारो फिर भी मीठे फल देते हैं। तुम सहनशील नहीं। सच बताओ तुम कौन हो? कालिदास मूछ्छा की स्थिति में आ गए और तर्क-वितर्क से झल्ला उठे! कुछ बोल न सकने की स्थिति में कालिदास वृद्धा पनिहारिन के पैर पर गिर पड़े और पानी की याचना में गिड़गिड़ाये लगे! वृद्धा ने कहा- उठो वरस! आवाज सुनकर कालिदास ने ऊपर देखा तो साक्षात माता सरस्वती वहां खड़ी थी, कालिदास पुनः नतमस्तक हो गए। मां ने कहा- शिखा से ज्ञान आता है न कि अहंकार से। तूने शिक्षा के बल पर प्राप्त मान और प्रतिष्ठा को ही अपनी उपलब्धि मान लिया और अहंकार कर बैठे इसलिए मुझे तुम्हारे चक्षु खोलने के लिए ये स्वांग करना पड़ा।



संकलित

प्रेरणा



विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकास व विस्तार के खाम का खर्चिण कालखंड रहे हैं। इन वर्षों ने श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण हुआ व पीएम आवास, आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी। -अमित शाह, कैदीय गृहमंत्री



शानदार हज

इस साल का हज इतिहास का सबसे शानदार हज था। हजारों की संख्या में हजियों ने सरकार का शुक्रिया अदा किया है। इस शानदार हज के कारण भारत को दो एक्सकर मिले हैं। 1.75 लाख हजियों का फीडबैक अच्छा रहा...ख़ब कात सतार ए हुआ। पहली बार ‘शॉर्ट टूरिस्टेन हज’ की शुरुआत की गई। -किरेन रीजीजू, कैदीय मंत्री



नीट: 1.32 लाख करोड़ खर्च

हर साल नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्रों से सिस्टम के जरिए 1.32 लाख करोड़ खर्च कटाए जाते हैं। यह रकम देा के शिक्षा बजट 1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है। नै एक बात और जोड़ना चाहती हू कि सरकार ने पराटवी करोबारियों के जो लोन माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपये हैं। -हरिका गांधी, साइट, कांग्रेस



भ्रष्टाचार खत्म होगा

परिधन बंगाल कर नई गाजपा सरकार ने उन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जिन्हें पिछली सरकार का संरक्षण प्राप्त था। सरकार धनकानों की संस्कृति और भ्रष्टाचार के गिरोहों को गौ खत्म करेगी। प्रदेश का संपूर्ण विकास होगा। -आर. एन. रवि, राज्यपाल, बंगाल



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com



800 शब्दों की सहमति बनने में लगे 108 दिन खो दिए 122 लाख करोड़ और 10 हजार लोग

महायुद्ध का अधूरा अंत ईरान के आगे झुके ट्रंप

दुनिया को तरक्की के ऐसे पंख लगे कि देखते ही देखते धरती के किसी भी कौने से बैठकर कहीं भी तबाही मचाई जा सकती है। लेकिन शांति की चौखट पर हमारा दिमाग क्यों कुंद हो जाता है इसका जवाब किसी के पास नहीं है। अमेरिका-ईरान और इजराइल की इस जंग में इसे बखूबी देखा गया। मात्र 800 शब्दों और डेढ़ पन्ने के समझौते पर सहमति बनने में 108 दिन लग गए। जहां तक जंग में किसे क्या हासिल हुआ इसके जबवा को तलाशेंगे तो 10 हजार लोगों की मौते और 48 हजार घायल और 122 लाख करोड़ का खर्चा ही दिखाई देता है। अंततः यह महायुद्ध का अधूरा अंत हुआ और न तो ट्रंप ईरान की सत्ता बदल पाए और न ही यूरेनियम पर पूरी तरह काबू कर पाए। अंततः उन्हे ईरान के आगे सरेंडर करना पड़ा।

जंग चली 108 दिन
घायल 48 हजार



जंग का खर्चा

अमेरिका- 9.51 लाख करोड़ रुपए
ईरान- 22.50 लाख करोड़ रुपए
इजराइल- 96,600 करोड़ रुपए

कुल मौतें

10 हजार



होर्मुज सिर्फ 60 दिन फ्री, ईरान को 28 लाख करोड़ हर्जाना मिलेगा

अमेरिका और ईरान के बीच एक अंतरिम समझौता हुआ है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध पर फिलहाल रोक लग जाएगी। खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होगा। दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल गया है। दोनों देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दोबारा बातचीत शुरू करेंगे। इस डील से ईरान को तुरंत बड़ा फायदा होगा। वह दुनिया में फिर से अपना तेल बेच सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के वसांय पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैकॉन के साथ डिनर के दौरान इस पर दस्तखत किए। तेहरान में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देश अब 60 दिनों तक नए सिरे से बातचीत करेंगे। वहीं, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप साल 2015 के परमाणु समझौते से बेहतर डील करा पाएंगे? इस पुरानी डील को उन्होंने खुद रद्द कर दिया था।

ट्रंप ने जंग के 4 लक्ष्य तय किए, चारों फेल

1. ईरान में इस्लामिक सत्ता उखाड़ फेंकना

अमेरिका-इजराइल ने अपने पहले ही हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिया। उसी दिन ट्रंप ने कहा- ईरान के महान लोगों, आपकी आजादी का समय आ गया है... जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो

अपनी सरकार पर कब्जा कर लीजिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उल्टा सुप्रीम लीडर की मौत के बाद ईरान के लोग एकजुट हो गए। खामेनेई के बेटे मुजतबा को नया सुप्रीम लीडर बना दिया। यानी ट्रंप ने पहला लक्ष्य खो दिया।

2. ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म नहीं हुआ

ट्रंप ने कहा था, अमेरिका की नीति रही है कि इस आतंकवादी रिजिम के पास कोई परमाणु हथियार न हो। अमेरिका चाहता था कि ईरान अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह बंद कर दे और उसके पास जितना संबंधित यूरेनियम है, अमेरिका को सौंप दे। समझौते में ईरान की परमाणु

जरूरतों का जिक्र है। मसलन- बिजली उत्पादन और ऊर्जा जरूरतों के लिए। यही वह रास्ता है जिससे ईरान भविष्य में अपनी परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म होने से बचाए रख सकता है। यानी ट्रंप दूसरे लक्ष्य को भी नहीं भेद पाए।

3. ईरान के प्रॉक्सी संगठनों को खत्म नहीं कर पाए

इजराइल और अमेरिका लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती और फिलिस्तीन में हमास जैसे ईरान के प्रॉक्सी संगठनों को खत्म करना चाहते थे। ईरान-अमेरिका जंग में सबसे ज्यादा मौतें लेबनान में हुई है। इजराइल ने दक्षिण लेबनान में करीब 2,000 वर्ग किमी की जमीन पर कब्जा कर लिया है। इससे

हिजबुल्ला काफी कमजोर हो गया, लेकिन खत्म नहीं हुआ। ट्रंप से समझौते में भी लेबनान का तीन बार जिक्र है और कहा गया है कि वहां भी कोई मिलिट्री ऑपरेशन नहीं होगा। ऐसे ही यमन में हूती अब भी सक्रिय हैं। यानी ट्रंप और नेतन्याहू का ये ऑब्जेक्टिव भी पूरा नहीं हुआ।

4. ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम खत्म नहीं हुआ

ट्रंप ने हमले की वजह बताते हुए कहा था, ईरान के पास हमारे मिलिट्री बेसिस और यूरोप तक पहुंचने वाली मिसाइलें हैं। जल्द ही वो अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइलें भी बना लेंगे। अमेरिका-इजराइल ने ईरान के प्रमुख मिसाइल कॉम्प्लेक्स को निशाना

बनाया। कई ठिकानों पर हमले कर भारी नुकसान किया। लेकिन 7 जून को इजराइल पर बैलेस्टिक मिसाइल हमले से साफ हो गया कि वो अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइलें भी बना लेंगे। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान ने सुधारना भी शुरू कर दिया है।

अब आगे क्या होगा?

सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि अंतिम समझौता कैसा होता है। 2015 में ओबामा प्रशासन के समय हुए समझौते में ईरान पर 15 साल के लिए सख्त पाबंदियां लगाई गई थीं। तब ईरान एक निश्चित सीमा से अधिक यूरेनियम को संचयित नहीं कर सकता था। उसे केवल 300 किलोग्राम यूरेनियम रखने की इजाजत

थी और उसकी सेंट्रीफ्यूज मशीनों को कम कर दिया गया था। उस डील की सबसे बड़ी कमी यह थी कि 15 साल बाद ईरान फिर से परमाणु बम बनाने के रास्ते पर आगे बढ़ सकता था। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ट्रंप प्रशासन इस बार ईरान पर अधिक समय के लिए और ज्यादा सख्त पाबंदियां लगावा पाएगा?

ईरान जंग से भारत पर 6 बड़े असर दिखे

- क्रूड ऑयल महंगा होने से इम्पोर्ट बिल बढ़ा
- विदेशी मुद्रा मंडार घटा, रुपया कमजोर
- जीडीपी की रफ्तार पर असर
- थोक महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा
- उर्वरकों के उत्पादन में गिरावट
- भारतीय मारे गए, डिप्लोमेटिक नुकसान



जलमार्ग खुलने से पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा!

युद्ध के दौरान ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था। यह रास्ता ईरान का सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ। दुनिया का 20% तेल इसी रास्ते से गुजरता है। रास्ता बंद होने से दुनिया भर में ईंधन, खाना और खाद महंगी हो गई थी। अमेरिका में भी महंगाई (मुद्रास्फीति) बढ़कर 4% हो गई थी। इससे वहां होने वाले मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की मुश्किलें बढ़ रही थीं। अब समझौते के तहत यह रास्ता खुल गया है। अमेरिका भी ईरानी

बंदरगाहों की नाकेबंदी हटा लेगा। अगले 60 दिनों तक इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह मुफ्त रहेगी। इसके बाद फ्रीसी ली जा सकती है। इससे दुनिया भर में गैस और तेल की कीमतें कम होंगी। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के उस प्रयास को विफल कर दिया है, जो उसकी सरकार को गिराने के लिए किया गया था। इस युद्ध के शुरुआती हफ्तों में ईरान के सर्वोच्च नेता और कई बड़े अधिकारी मारे गए थे।

ईरान को भविष्य के लिए क्या मिला

परमाणु कार्यक्रम पर शर्त: अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। प्रतिबंधों से पूरी मुक्ति का वादा: अगर नया परमाणु समझौता हो जाता है, तो

ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। 2015 के समझौते में केवल परमाणु से जुड़े प्रतिबंध हटें थे, लेकिन आतंकवाद और मानवाधिकार के मुद्दे पर प्रतिबंध जारी थे। इस बार पूरी राहत का वादा है। पुनर्निर्माण के लिए बड़ा फंड: युद्ध के बाद ईरान को दोबारा खड़ा करने के लिए 300 अरब डॉलर का फंड बनाया जाएगा। ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिका इसमें कोई पैसा नहीं देगा।

इजरायल अपने आत्मरक्षा के अधिकार से कभी पीछे नहीं हटेगा और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि तनाव कम करने और स्थायी समाधान की दिशा में सार्थक पहल होती है, तो इजराइल कूटनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार है। उनके अनुसार, इजराइल सुरक्षा और शांति दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ना चाहता है।



शांति समझौते के बीच-बीच इजराइल अपने पुराने रुख पर ही अड़ा हुआ नजर आ रहा है। भारत में इजराइल के राजदूत रुबेन अजार ने एक इंटरव्यू में बड़ा बयान देते हुए कहा कि 'दक्षिणी लेबनान से अपनी सेना नहीं हटाएंगे और वहां अपनी सैन्य मौजूदगी बनाए रखेंगे। उनका कहना है कि यह फैसला इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

ये हैं समझौते 14 पॉइंट, जिसके लिए 108 दिन हुई तबाही

होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोला जाएगा

ईरान ने वादा किया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोल देगा। यह व्यवस्था 60 दिनों तक लागू रहेगी। इस दौरान जहाजों से एक्स्ट्रा टैक्स नहीं लिया जाएगा। इस समझौते की सबसे अहम लाइन है- सिर्फ 60 दिनों तक बिना किसी फॉस के। इसका मतलब है कि 60 दिन पूरे होने के बाद ईरान जहाजों पर शुल्क या फीस लगा सकता है। युद्ध से पहले ईरान आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय जहाजों से इस तरह का पैसा नहीं लेता था। अब टैक्स लगाने से वैश्विक समुद्री व्यापार की लागत बढ़ सकती है।

ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा

समझौते में ईरान ने एक बार फिर भरोसा दिया है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही उन्हें हासिल करने की कोशिश करेगा। दस्तावेज में कहा गया है कि ईरान के पास पहले से मौजूद संवर्धित यूरेनियम (एनरिचड यूरेनियम) के भंडार का क्या किया जाएगा, इस पर दोनों देश मिलकर फैसला करेंगे। इसके लिए एक अलग व्यवस्था बनाई जाएगी, जिस पर आगे की बातचीत में सहमति बनेगी।

ईरान को 28 लाख करोड़ का हर्जाना

अमेरिका ने अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर, यानी 28 लाख करोड़ रुपए की योजना तैयार करने का वादा किया है। हालांकि, यह पैसा तुरंत नहीं दिया जाएगा। पहले अमेरिका और ईरान को 60 दिनों में अंतिम समझौते पर पहुंचना होगा। इससे ही तय होगा कि 300 अरब डॉलर का फंड कैसे बनाया जाएगा, पैसा कहां से आएगा और उसे किस तरह खर्च किया जाएगा।

ईरानी तेल के निर्यात पर छूट

समझौते के बाद अमेरिका ईरानी तेल के निर्यात पर राहत देना शुरू कर देगा। इसके लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय जरूरी छूट और मंजूरियां जारी करेगा, ताकि ईरान अपना तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सके। यह राहत सिर्फ तेल बेचने तक सीमित नहीं होगी। इसमें बैकिंग लें-देन, बीमा, जहाजरानी, माल ढुलाई और अन्य वित्तीय सेवाओं से जुड़ी बाधाओं को भी कम किया जाएगा, जो ईरान के तेल निर्यात में रुकावट बनती रही हैं।

ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटेंगे

अमेरिका ने ईरान पर लगे सभी प्रतिबंधों को एक-एक करके खत्म करने का वादा किया है। अमेरिका ईरान पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देकर उसे अपने परमाणु कार्यक्रम पर सख्त शर्तें मानने के लिए तैयार करना चाहता है। माना जा रहा है कि प्रतिबंधों में छूट ही वह सबसे बड़ा फायदा है, जो अमेरिका ईरान को समझौते के बदले दे सकता है।

अमेरिका समुद्री नाकेबंदी हटाएगा

ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी 30 दिन के भीतर पूरी तरह खत्म करेगा। नाकेबंद हटने से ईरान फिर से अपने बंदरगाहों से तेल और अन्य सामान खरीद-बेच सकेगा। यह

ईरान के लिए बहुत बड़ी और तत्काल राहत होगी, क्योंकि उसके ज्यादातर निर्यात चीन को जाते हैं। जैसे ही निर्यात दोबारा शुरू होगा, ईरान के पास विदेशी मुद्रा आनी शुरू हो जाएगी।

एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देंगे

अमेरिका-ईरान एक-दूसरे की आजादी, सीमाओं और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। घरेलू मामलों में दखल नहीं देंगे। समझौते का यह हिस्सा ईरान के सरकार विरोधी गुटों को परसंद नहीं आ सकता। इन्हें उम्मीद थी कि अमेरिका भविष्य में भी ईरान में राजनीतिक बदलाव या लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों का खुलकर समर्थन करेगा।

दोनों पक्ष मौजूदा स्थिति में बदलाव नहीं करेंगे

समझौते में कहा गया है कि जब तक अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता नहीं हो जाता, तब तक दोनों पक्ष मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेंगे। इसका मतलब है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को अभी जिस स्तर पर चला रहा है, उससे आगे नहीं बढ़ाएगा। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि अंतिम समझौते तक दोनों पक्ष कोई नया दबाव न बनाएं। ईरान परमाणु कार्यक्रम नहीं बढ़ाएगा और अमेरिका नए प्रतिबंध या अतिरिक्त सैन्य तैनाती नहीं करेगा।

दोनों देश मिलकर निगरानी व्यवस्था बनाएंगे

अमेरिका और ईरान मिलकर एक विशेष निगरानी व्यवस्था बनाएंगे, जो यह देखेगी कि एमओयू की सभी शर्तों का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं। ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वादों का पालन कर रहा है या नहीं। अमेरिका प्रतिबंधों में राहत और अन्य आर्थिक, साथ ही राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है या नहीं। दोनों पक्ष समझौते की समय सीमा और शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

60 दिनों में अंतिम समझौते का टारगेट

अमेरिका-ईरान ने अधिकतम 60 दिनों में समझौता लागू करने का टारगेट रखा है। हालांकि, दोनों देश सहमति से इसे आगे भी बढ़ा सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी मानते हैं कि इतने कम समय में अंतिम समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। खासकर इसलिए क्योंकि ईरान के साथ पहले हुई परमाणु बातचीत में कई साल लग चुके हैं। हालांकि, ट्रंप सरकार ने जानबूझकर यह समय सीमा तय की है। अगर तय समय में यह समझौता हो जाता है, तो अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन में राष्ट्रपति ट्रंप को फायदा हो सकता है।

अंतिम समझौते को यूएनएससी मंजूरी देगी

जब अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता हो जाएगा, तो उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव के जरिए मंजूरी दी जाएगी। इसका मतलब है कि अंतिम समझौता केवल अमेरिका और ईरान के बीच का राजनीतिक समझौता नहीं रहेगा, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता भी मिल जाएगी।

बोली लगाने (बिडिंग) की शुरुआत मंगलवार 23 जून से होगी और गुरुवार 25 जून को होगी बंद

प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 130 रुपये से 138 रुपये तय किया गया है, जिसकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है

कोवि। अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने अपने पहले इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 130 रुपये से 138 रुपये तय कर दिया है। कंपनी का यह इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (‘आईपीओ या इश्यू’) सर्वोत्कृष्टण के लिए मंगलवार, 23 जून 2026 को खुलेगा और गुरुवार, 25 जून 2026 को बंद हो जाएगा। इन्वेस्टर कम से कम 100 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, और उसके बाद 100 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल्स में ही दांव लगा पाएंगे। आज की तारीख में कंपनी के कुल 3,38,42,000 इक्विटी शेयर आउटस्टैंडिंग हैं, जिनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। इस आईपीओ के तहत 1,19,68,000 इक्विटी शेयरों का प्रेश इश्यू (नए शेयर) जारी किए जा रहा है। इस फ्रेश इश्यू से मिलने वाले पैसे में से 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी की वकिंग कैपिटल (रोजमर्रा के कामकाज के खर्च) की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वहीं, 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी पर बकाया कुछ कर्जों को पूरा या आंशिक चुकाने के लिए होगा। बाकी बची रकम सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों (जनरल कॉर्पोरेट पर्पज) पर खर्च की जाएगी।अद्वित ज्वेल्स भारत में रजनी और गहनों के सबसे बड़े ब्रांड राजस्थान के जयपुर में स्थित है। यह कंपनी पारंपरिक और आधुनिक, दोनों तरह के हाथ से बने

जीवन बीमा के दीर्घकालिक लाभों को समझने की जरूरत : राव जबलपुर। जीवन बीमा उद्योग ने लोगों से जीवन बीमा को केवल तात्कालिक वित्ताओं के नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और बचत के प्रभावी माध्यम के रूप में देखने की अपील की है। उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना ​​है कि जीवन बीमा परिवारों को आर्थिक संरक्षण प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों के लिए अनुशासित बचत का मजबूत आधार भी उपलब्ध कराता है।इंश्योरेस अवेयरनेस कमेटी के अध्यक्ष कलालेश राव ने कहा कि जीवन बीमा के लाभ समय के साथ अधिक स्पष्ट होते हैं और इसकी उपयोगिता कुछ छिटपुट शिकायतों या गलत तरीके से पॉलिसी बेचने जैसे मामलों से कहीं अधिक व्यापक है। उन्होंने कहा कि बीमाकर्ताओं, मध्यस्थों और उपभोक्ताओं सहित सभी हितधारकों को जीवन बीमा की दीर्घकालिक प्रकृति को समझते हुए इसके समग्र महत्व और मूल्य को पहचानना चाहिए।

व्यूआईपी के जरिए मोतीसंस ज्वैलर्स ने जुटाए 150 करोड़ रुपये
जबलपुर। मोतीसंस ज्वैलर्स लिमिटेड ने क्वालिफाइड इंस्टीटयूशनल प्लेसमेंट (व्यूआईपी) के माध्यम से 150 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने में सफलता हासिल की है। कंपनी ने 11.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 13.57 करोड़ इक्विटी शेयर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) निवेशकों को आवंटित किए हैं।कंपनी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में उसके प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। इस अवधि में शुद्ध लाभ 47.57 प्रतिशत बढ़कर 63.71 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी का कहना है कि नई पूंजी से व्यवसाय विस्तार और भविष्य की विकास योजनाओं को गति मिलेगी।

ईएसएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कामकाज के नौवें साल में 50 हजार करोड़ के बिजनेस का माइलस्टोन किया पार

कोवि। ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कुल र. 50,000 करोड़ के बिजनेस का अहम माइलस्टोन पार कर लिया है। यह बैंक के कामकाज के नौवें साल में एक बड़ी उपलब्धि है और देश भर के एक करोड़ से ज्यादा ग्राहकों द्वारा बैंक पर दिखाए गए भरोसे को दर्शाता है। यह माइलस्टोन बैंक की लगातार हो रही तरक्की और फाइनेंशियल इन्क्लुजन (वित्तीय समावेशन), जिम्मेदार बैंकिंग और कम्युनिटी डेवलपमेंट (सामुदायिक विकास) के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

सामाजिक प्रभाव (सोशल इम्पैक्ट) पर आधारित अपनी शुरुआत से लेकर, ईएसएएफ एक

पैन-इंडिया बैंकिंग संस्थान के रूप में विकसित हुआ है, साथ ही यह उन समुदायों के लिए अवसर पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है जिनकी बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच कम है या जो बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। इस उपलब्धि पर बोलते हुए हुए, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ के, पॉल थॉमस ने कहा: “रु. 50,000 करोड़ के बिजनेस का माइलस्टोन पार करना ईएसएएफ की यात्रा में गर्व का क्षण है। कामकाज के नौवें साल में इस माइलस्टोन को हासिल करना हमारे ग्राहकों के भरोसे, हमारे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और हमारे सभी स्टैकहोल्डर्स के समर्थन को दर्शाता है। इस

राशिफल

मेघ	वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।
वृष	धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को यश में रखें। पारिवारिक जम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरों में तरक्की के योग बन रहे हैं।
मिथुन	माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।
कर्क	आत्मवश्रिवास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।
सिंह	पढ़न-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।
कन्या	स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्रिवास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।
तुला	वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहे। वस्त्रों आदि की ओर रुझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
वृश्चिक	शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।
धनु	कार्यक्षेत्र में परश्रम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्रिवास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा।
मकर	कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रुझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
कुंभ	कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेगे।
मीन	दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर मंगलवार को खुलेगा



बेहतरीन गहने बनाने और बेचने का काम करती है। कंपनी खासतौर पर कुंदन, पोलकी, डायमंड और स्टडेड (रत्न जड़े) गहने बनाने के लिए जानी जाती है। इसका बैंड नेम ‘राममंजो’ है। कारीगरी में महारत और ग्राहकों की बदलती पसंद की गहरी समझ के दम पर कंपनी पारंपरिक तरीकों को आधुनिक डिजाइन्स के साथ जोड़ती है। इससे ऐसे गहने तैयार होते हैं जो सदाबहार भी लगते हैं और आज के जमाने के भी। इनके गहने सड़ियों पुरानी तकनीकों से बनाए जाते हैं, लेकिन उनमें मॉडर्न डिजाइन के एलिमेंट्स भी शामिल किए जाते हैं। यहीं वजह है कि हर प्रोडक्ट न सिर्फ खूबसूरत दिखता है, बल्कि उसमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी झलकती है। इसका नतीजा यह होता है कि गहने बेहद खूबसूरत, खास और क्लासिक व मॉडर्न दोनों तरह की पसंद



केनरा रोबेको ने शुरु की निवेश बस यात्रा
जबलपुर। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड के निवेश प्रबंधक), मध्य प्रदेश में म्यूचुअल फंड निवेश के बारे में जागरूकता पैदा करने और राज्य भर के निवेशकों को शिक्षित करने के लिए “निवेश बस यात्रा” शुरू कर रही है।इस पहल का उद्देश्य राज्य के लोगों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और म्यूचुअल फंड निवेश के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह बस यात्रा इंदौर से शुरू होगी और इसके बाद उज्जैन, देवास, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर पहुंचेंगी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों को निवेश से जुड़ी जानकारी दी जाएगी।केनरा रोबेको एशमसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश नरूला ने कहा, “आज के बदलते वित्तीय परिदृश्य में, ज्ञान उनका ही शक्तिशाली है जिनका कि समझ। एक जानकार निवेशक न केवल अपने लिए बेहतर निर्णय लेता है बल्कि एक मजबूत वित्तीय इकोसिस्टम में भी योगदान देता है। हम निवेश के ज्ञान को सरल, सुलभ और व्यावहारिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक उथल-पुथल भारत की स्थिति फिर भी मजबूत

एर्जेसीमुंबई। एमएंडपी ग्लोबल एनर्जी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक ऊर्जा बाजारों में लगातार बदलाव और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत का ऊर्जा क्षेत्र मजबूत और परिस्थितियों के अनुसार ढलने में सक्षम बना हुआ है।रिपोर्ट में कहा गया है कि रणनीतिक विविधीकरण और मजबूत घरेलू मांग ने भारत को बाहरी झटकों से काफी हद तक सुरक्षित रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिफाइनरियां होमूज जलदमस्कमध्य में संभावित स्कावर्टो से निपटने के लिए बेहतर वैकल्पिक आपूर्ति मार्गों और मजबूत स्टोरेज सिस्टम का उपयोग कर रही हैं, जिससे देश की ईंधन सुरक्षा बनी हुई है।एमएंडपी ग्लोबल एनर्जी का यह भी कहना है कि भू-राजनीतिक बदलावों ने भारत को एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक उपरते वैश्विक हब के रूप में स्थापित करने में मदद की है।

आज, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक 24 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 816 ब्रांच और 1,047 कस्टमर सर्विस सेंटर के नेटवर्क के माध्यम से 1.04 करोड़ ग्राहकों को सेवाएँ दे रहा है। रु. 50,000 करोड़ का यह माइलस्टोन बैंक की विकास यात्रा का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है, क्योंकि यह पूरे भारत में अपनी पहुँच का विस्तार और अपने प्रभाव को गहरा करना जारी रखे हुए है।

तनिष्क का ‘सोल्स इन सिम्फनी’ कलेक्शन पेश

मुंबई। टाटा समूह की ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क ने नया प्राकृतिक हीरों का कलेक्शन ‘सोल्स इन सिम्फनी’ लांच किया है। यह कलेक्शन 100 फीसदी प्राकृतिक हीरों और जेमस्टोन्स से तैयार किया गया है, जिसे आधुनिक महिलाओं की आपसी दोस्ती और भावनात्मक जुड़ाव को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।कंपनी के अनुसार, यह कलेक्शन बदलते रिश्तों, साझा अनुभवों और गहरे सामाजिक संबंधों की थीम पर आधारित है।

शब्द पहेली - 6261						
1	2	3	4	5	6	7
	8					
10	11					12
		13	14	15		
16					17	
		18		19		
20	21		22		23	24
		25	26	27		
28						29 30
		31	32	33	34	
35					36	

के लोगों को अच्छे लगते हैं। डिजाइन में नयापन और कस्टमाइजेशन कंपनी की सबसे बड़ी ताकत है। यह ग्राहकों को उनकी खास पसंद, सांस्कृतिक महत्व और मार्केट ट्रेंड्स के हिसाब से गहने तैयार कराने की सुविधा देती है। बाइडल कलेक्शन से लेकर रोजमर्रा में पहने जाने वाले लज्जरी गहनों तक, कंपनी के प्रोडक्ट्स भारतीय बाजारों के हर तरह के ग्राहकों की पसंद को पूरा करते हैं। क्वालिटी, शुद्धता और ग्राहकों की संतुष्टि के वादे के साथ कंपनी यह पक्का करती है कि उसका हर प्रोडक्ट बेहतरीन कारीगरी, सावधानी से चुने गए मटेरियल और पारंपरिक कला की गहरी समझ को बर्‍या करे। कंपनी के प्रोडक्ट्स में नेकलेस, ईयररिंग्स, रिंग्स, वूडियां और कस्टमाइज्ड ज्वेलरी शामिल हैं। कंपनी मुख्य रूप से सोने, हीरे और रंगीन पथरों का इस्तेमाल करती है और कुंदन व पोलकी के काम के लिए काफी मशहूर है। कंपनी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों की कला शैलियों को मिलाकर हर दिन कुछ नया इन्वोवेट और डिजाइन करती है। इनका हर डिजाइन अपने आप में अनोखा होता है और इसे दोबारा नहीं दोहराया जाता। ग्राहकों की पसंद के हिसाब से कंपनी के प्रोडक्ट्स 14 कैरेट और 18 कैरेट दोनों तरह के सोने में डिजाइन किए जाते हैं। कंपनी बड़े पैमाने पर B2B (बिजनेस-टू-बिजनेस) मॉडल पर काम करती है, यानी यह डीलर्स, शोरूम और ज्वेलरी रिटेलर्स को सप्लाई करती है।

स्पिंज ने मध्य प्रदेश में लॉन्च किया नया डी-टैन फेस पैक

जबलपुर। कैविनकेयर के रिक्नकेयर ब्रांड स्पिंज ने मध्य प्रदेश में अपना नया स्पिंज डी-टैन फेस पैक लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि यह फेस पैक मात्र 15 मिनट में त्वचा की टैनिंग हटाकर सैलून जैसा निखार देने में मदद करता है। गर्मियों में बढ़ती धूप से होने वाली टैनिंग की समस्या को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए इस उत्पाद में गो-ब्लीच फॉर्मूला का उपयोग किया गया है। इसमें बेसन, शहद और कोजिक जैसे प्राकृतिक एवं प्रभावी तत्व शामिल हैं, जो त्वचा की गहराई से सफाई कर उसे मुलायम और चमकदार बनाने में सहायक बताए गए हैं।कैविनकेयर-पर्सनल केयर बिजनेस हेड रजत नंदन ने कहा कि स्पिंज उपभोक्ताओं को किफायती और प्रभावी रिक्नकेयर समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यह नया डी-टैन फेस पैक घर पर ही सैलून जैसा निखार देने का उद्देश्य रखता है। यह उत्पाद अब प्रदेशभर में किचन स्टोर्स, सुपरमार्केट्स, मॉडर्न रिटेल आउटलेट्स और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मस पर उपलब्ध है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़े। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रु 500-रु 1000 तक की गारंटीड कमाई करे बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 | राबपुर /21/जून 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में पञ्छाशित सभी पञ्छार के विज्ञापनों (डिस्क्ले एवं रनिंग ब्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई गिम्मादारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?

जोश जगा दे धूप मचा दे ।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये । सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं । बरों की कमजोरी ना मरी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नहीं तो पैसे वापिस। 09083218330

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)					
निविदा सूचना क्र./उ.वि./2026-27/PRO-323			दिनांक - 18/06/2026		
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत टेकदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in की पर देखा जा सकता है।			निविदा आमंत्रण सूचना		
क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समायाधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_516512_1	नेशनल व्हीन एयर प्रोग्राम योजना के अंतर्गत संभाग क्रं. 03 शंकरगढ़ वाई अंतर्गत नेशनल कालोनी पार्क का विकास कार्य	04 माह 19,65,310.00	14,740.00 2,000.00	03/07/2026
नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा					
उद्यान अधिकारी नगर पालिक निगम जबलपुर					

बाएँसेदाएः

- द्वेष,झगड़ा,रार-3
- बुरकापोश-5
- गागर,घड़ा-3
- प्याऊ (उर्दू-3)
- पेंदा,तला-2
- बरस,वर्ष-2
- सतत,लगातार-5
- मजार,समाधि-4
- उदरता,बड़पन्न-4
- वायदा,कसम-2
- महीना,माह-2
- हमसफर-4
- आदेश,आज्ञा-4
- कहानी लेखक-5
- गधा,गर्दभ-2
- श्रवणेंद्रिय-2
- बारिश,वर्षा-3
- देवाषि-3
- दया करना-3,2
- चित्तन

ऊपर से नीचे

- कुपुत्र-3
- अधिकार-2
- सलाह,राय-4
- अफसोस,खेद-4
- शीतकालीन फसल-2
- दलहन-2
- ठंडा,सर्द-3
- जिज्ञासा,उत्साह-3
- बारिश का मौसम-3
- धारावाही,अविराम,सीरियल-5
- रीत,परंपरा-2
- जीवनसाथी,हमराही-5
- मोर-3
- जल,नीर-2
- पीहर-3
- गजशाला,हाथी घर-4
- करतब,करामात-4

28.उपभोग,खर्च-3

- नेत्र,चक्षु,आंख-3
- सवारी गाड़ी-2
- रहन,गिरवी वस्तु-2
- ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -6260 का हल											
म	न	मो	ह	न	र	का	जा	हो	ना		
न	म	क	र	त	ल	ग	क	म			
मो	ह		मि	ज		क	म				
ह	म	आ	त	ल	ग	ना	मा	या			
क	ल	र	व	भ्र	म	त	ल	व			
				भ	ला	ओ	र				
ज	ग	म	ग	मो	ख	जा	ख	ब			
मो	ल	त	म	त	मा	ना	र	म			
न	त		श	ल		ल	क				
वा	म	बा	न	खा	रि	श	वा				
र	म	यी	व	ता	ना	ट	का	र			

केंद्रीय रसायन-उर्वरक मंत्री को लिखा पत्र खाद कीमतों में बढ़ोतरी रोकने की अपील, लिखा केंद्र सरकार को पत्र

एमआरपी नियंत्रित करने और किसानों को राहत देने की मांग

फाइल फोटो

वाणिज्य प्रतिनिधि»»भोपाल

पिछले कुछ महीनों के दौरान उर्वरक (खाद) की कीमतों में हुई अनियंत्रित वृद्धि को लेकर ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन ने गंभीर चिंता जताई है। संगठन ने केंद्र सरकार से एमआरपी नियंत्रित करने और किसानों को राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी. नड्डा तथा उर्वरक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को एक औपचारिक पत्र भेजा गया है। पत्र में खाद निर्माता कंपनियों द्वारा हाल ही में की गई कीमतों में बढ़ोतरी को तत्काल प्रभाव से रोकने की अपील की गई है।

» किसानों पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय कुमार रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले लगभग दो महीनों में डीएपी और यूरिया को इसका उद्देश्य भारत के लैब-टू-मार्केट इकोसिस्टम को मजबूत करना है, ताकि रिसर्च सीधे उद्योग और बाजार तक पहुंच सके। इस परियोजना के तहत करीब 1.20 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में अत्याधुनिक लैब्स, इनक्यूबेशन स्पेस और साझा अनुसंधान सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह सुविधा स्टार्टअप्स, एमएसएमई और शोधकर्ताओं को एक ही मंच पर सहयोग और नवाचार का अवसर देगी।

आरएसपीएल ग्रुप ने लांच किया ‘घड़ी रैपिड वॉश’

नई दिल्ली। आरएसपीएल ग्रुप ने अपने लोकप्रिय ब्रांड ‘घड़ी’ के तहत नया उत्पाद ‘घड़ी रैपिड वॉश’ लांच किया है। यह एक लिक्विड डिटर्जेंट है, जिसे खास तौर पर भारतीय घरों में बाल्टी में कपड़े धोने की पारंपरिक जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

Can Fin Homes Ltd (Sole Proprietorship) Establishing Dreams and Shaping Futures	रजिस्टर्ड ऑफिस - 29/1, प्रथम तल, सर एम पन कृष्णा राव रोड, लालबाग चैट्ट गेट के पास, बसवनगुडी, बैंगलूर-560004 Website: www.canfinhomes.com
शाखा स्थानांतरण सूचना	
हम अपने सभी ग्राहकों को यह सूचित करते है कि हमारी जबलपुर शाखा दिनांक 17-09-2026 से एक नए परिसर में स्थानांतरित हो जाएगी और कार्य करना शुरू कर देगी। हमारी नई शाखा का पता - केनफिन होमस लिमिटेड, 501 वी, प्रथम तल, बाटा शोरूम के पीछे, कटंगा क्रासिंग के पास, केनरा बैंक के ऊपर, गोरखपुर रोड, जबलपुर (म.प्र.) 482001 फोन : 07614921736. 7625079237	हस्ता./- वरिष्ठ प्रबंधक
स्थान: जबलपुर	
दिनांक : 18.06.2026	



**M.P. STATE ELECTRONICS
DEVELOPMENT CORPORATION LTD.**
State IT Centre, 47-A, Arera Hills, Bhopal-462011 (M.P.)
www.mpsehc.mp.gov.in, Ph. No. 0755-2518300
marketing@mpsehc.com

NOTICE INVITING TENDERS (NIT)

SEDC invites online proposals for following bids on GeM Portal :

No.	Bid No./Tender No.	NIT
1	GEM/2026/B/7666126	Passenger Car (Q1)
2	GEM/2026/B/7666434	Electric Cars (V4) (Q2)

detailed scope of work, terms and conditions please refer the respective bid document available on GeM Portal.

P. Madhyam/126452/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER**

कार्यालय सेनानी 6 वी वाहिनी विसबल जबलपुर
Email- co6bn_saf@mppolice.gov.in फोन - 0761-2676199, फैक्स - 263399
क्रमांक 6वीं बटा/ विसब/जबल/यूनिट अस्तपाल/B/3577-A/2026 दिनांक 15/06/2026
निविदा आमंत्रण सूचना
वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना क्रमांक 2634-34-002 दवाइयों का क्रय मद में इकाई को आवंटित बजट से युनिट अस्पताल के लिए आवश्यक दवाईयां क्रय हेतु ई - निविदा ऑनलाइन https://mptenders.gov.in पर आमंत्रित है इच्छुक निविदाकार अपनी ई निविदा भेज सकते हैं।
सेनानी 6 वी वाहिनी विसबल, जबलपुर
G-14576/26

सूडूकु नवताल - 6271		
---------------------	--	--

3

समस्या निवारक
आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स

Helps in:

BURNING

DRYNESS

IRRITATION

10 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियाँ जैसे-गुलाब, हरड़, बहेड़ा, आंवला, हल्दी, तुलसी, पुनरनवा, पुदीना, सुहागा इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा प्लस' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आंखों में होने वाली समस्याओं जैसे आंखों की थकान, आंखों का सूखापन, आंखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल बनाने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आंखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

AYURVEDIC

EYE RELIEF DROPS

24x7 Helpline: 8196822222

www.eyemantra.com

EYE Mantra Plus

Eye Relief Drops

FOR BURNING DRYNESS IRRITATION

FOR BURNING DRYNESS IRRITATION

प्रयोग विधि:
2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या
चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।

आँखों की थकान
दूर करने का
आसान समाधान

क्या रिटायरमेंट के बाद पेश होगा चालान?

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई या संरक्षण ?

आखिर क्यों बचाया जा रहा है रिश्वतखोर अफसर ?

हरिभूमि, जबलपुर।

कटनी में 60 हजार रुपये की रिश्त लेते हुए लोकायुक्त के हथ्थे चढ़े नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह का मामला अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। वर्ष 2022 में रंगे हाथों गिरफ्तारी के बाद जहां यह उम्मीद की जा रही थी कि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई होगी, वहीं चार साल बाद भी न तो न्यायालय में चालान पेश किया गया और न ही विभागीय स्तर पर कोई कठोर कदम उठाया गया।

अब इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। सूत्रों का कहना है कि संजय सिंह जुलाई 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या लोकायुक्त सेवानिवृत्ति के बाद चालान पेश करेगी? यदि ऐसा होता है तो क्या इसे न्यायिक प्रक्रिया की सामान्य देरी माना जाएगा या फिर किसी प्रभावशाली अधिकारी को बचाने की कोशिश?

चार साल में निलंबन तक नहीं-

मई 2022 में जबलपुर लोकायुक्त ने कटनी के बरगवां स्थित नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई करते हुए संजय सिंह और लेखापाल धीरज मिश्रा को 60 हजार रुपये की रिश्त लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। आरोप था कि धान मिलिंग और परिवहन के करीब 20 लाख रुपये के बिल पास कराने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्त मांगी गई थी।लेकिन गिरफ्तारी के बाद जो होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। निलंबन नहीं हुआ, विभागीय कार्रवाई का कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया और मामला अदालत तक भी नहीं पहुंच सका। उल्टा, संजय सिंह महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते रहे और वर्तमान में जबलपुर जैसे बड़े जिले की जिम्मेदारी संभालते रहे।

नागरिक आपूर्ति निगम की कमान दागी अफसर के हाथ, किसान भुगत रहे कीमत

आखिर क्यों न हो धान और गेहूं घोटाले?

174 किसानों का भुगतान अब तक अटक में, 5 हजार किसानों गेहूं घोटाले से बहाई धित

174 किसान आज भी भुगतान के इंतजार में

174 किसान आज भी भुगतान के इंतजार में

174 किसानों का भुगतान अब तक अटक में, 5 हजार किसानों गेहूं घोटाले से बहाई धित

174 किसान आज भी भुगतान के इंतजार में

174 किसान आज भी भुगतान के इंतजार में

सवालों के घेरे में लोकायुक्त

- मई 2022 के रिश्त प्रकरण में चार साल बाद भी चालान क्यों पेश नहीं हुआ?
- संजय सिंह को गिरफ्तार होने के बावजूद निलंबित क्यों नहीं किया गया?
- क्या जुलाई 2026 की सेवानिवृत्ति के बाद चालान पेश किया जाएगा?
- अभियोजन स्वीकृति और जांच में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन हैं?
- क्या भ्रष्टाचार के मामलों में प्रभावशाली अफसरों को संरक्षण मिल रहा है?
- शिकायतकर्ता और किसानों के टूटते विश्वास की जिम्मेदारी कौन लेगा?

क्या रिटायरमेंट का इंतजार हो रहा है ?

जुलाई 2026 में प्रस्तावित सेवानिवृत्ति को लेकर अब चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या जांच एजेंसियां और विभाग रिटायरमेंट तक का इंतजार कर रहे हैं? यदि चालान सेवानिवृत्ति के बाद पेश होता है तो यह सवाल

कहां है जोरो टॉलरेंस नीति

सरकार यदि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करती है, तो फिर रंगे हाथों पकड़े गए अधिकारी चार साल तक बिना निलंबन के महत्वपूर्ण पदों पर कैसे बने रहते हैं? यदि न्याय की रफ्तार इतनी धीमी होगी कि आरोपी रिटायरमेंट की दहलीज तक पहुंच जाए, तो जनता यह सवाल पूछने को मजबूर होगी—आखिर बचाया किसे जा रहा है, व्यवस्था को या व्यवस्था पर लगे दाग को?

उठना लाजिमी होगा कि चार वर्षों तक फाइलें आखिर किन कारणों से रुकी रहीं।

जनता के विश्वास का क्या?

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई केवल कैमरों के सामने गिरफ्तारी तक सीमित नहीं हो सकती। जनता तब विश्वास करती है जब दोषियों को समयबद्ध तरीके से अदालत के कठपंरे तक पहुंचाया जाए। यदि रंगे हाथ पकड़े गए मामलों में भी वर्षों तक कार्रवाई लंबित रहे तो आम नागरिकों और शिकायतकर्ताओं का भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है।

इधर किसान भुगत रहे हैं खागियाजा

जबलपुर में समर्थन मूल्य खरीदी को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मझौली धान घोटाले में 174 किसान आज भी अपने भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर 5 हजार किंटल गेहूं गड़बड़ी का मामला भी चर्चा में है। ऐसे में विपक्ष और किसान संगठन यह सवाल उठा रहे हैं कि जब व्यवस्था की कमान विवादों में घिरे अधिकारियों के हाथों में होगी तो पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल मामले में सुनवाई पूरी हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल मामले में सुनवाई पूरी कर ली। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका के जरिए दल-बदल कानून के तहत बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि उन्होंने 30 जून, 2024 को विधानसभा अध्यक्ष तोमर के समक्ष इस मामले में याचिका दायर की थी। लेकिन निर्धारित 90 दिन गुजरने के बावजूद कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई।

लिहाजा, हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में कहा गया है कि विधायक निर्मला सप्रे पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान पांच मई, 2024 को

राहतगढ़ में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थीं। याचिकाकर्ता का कहना है कि कांग्रेस विधायक सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। इसके बावजूद उन्होंने विधायक पद से त्यागपत्र नहीं दिया है। दलबदल कानून के प्रकाश में उनका यह रवैया गैर कानूनी है। इसलिए सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए।

गुरुवार को मुख्य बहस इस बात पर केंद्रित रही कि क्या हाईकोर्ट विधानसभा स्पीकर को याचिका के निरादारे के लिए समयसीमा तय करने का निर्देश दे सकता है। विधायक सप्रे की ओर से फिर दावा किया गया कि वे भाजपा में शामिल नहीं हुई हैं, अब भी कांग्रेस में हैं।

एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच ने दिए निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में गुरुवार को धार जिले में बाओबाब वृक्षों की कटाई, बिक्री और परिवहन के मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। मामला हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच के समक्ष लगा था। लेकिन डिवीजन बेंच ने कहा कि मामला पर्यावरण था बाओबाब पेड़ों की सुरक्षा व संरक्षण से जुड़ा है। लिहाजा इसे हाईकोर्ट की ग्रीन बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाना उचित होगा। इस के साथ ही कोर्ट ने मामले को अगले सप्ताह डिवीजन बेंच क्र 2 के समक्ष आगे की सुनवाई के लिए नियत करने के निर्देश दिए।गौरतलब है कि 2023 में प्रकाशित धार जिले में बाओबाब के पेड़ को काटने, बिक्री करने और परिवहन की अनुमति दिए जाने संबंधित एक खबर में कहा गया था कि क्षेत्रीय नागरिक बाओबाब वृक्ष काटने का विरोध कर रहे हैं। बाओबाब पेड़ को अफ्रीका में द वल्ड ट्री की उपाधि दी गई है। अफ्रीका के आर्थिक विकास में इस पेड़ का बड़ा महत्व है। हैदराबाद के एक व्यापारी अपने फार्म में इन पेड़ों की खेती और आर्थिक लाभ के लिए उनकी कटाई कर बेच रहा है। एक पेड़ का मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक है। जिसके कारण दूसरे लोग भी अपने खेत में लगे पेड़ को बेचने के लिए काट रहे हैं।हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने प्रकाशित खबर को संज्ञान में लेते हुए उसकी सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करने के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट ने संज्ञान याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद धार जिले में बाओबाब के पेड़ की कटाई, बिक्री और परिवहन पर रोक लगा दी थी।

चाकू की नोक पर महिला से मंगलसूत्र व बैग लूटा

जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत रमनगरा वाटर प्लांट के पास बुधवार की देर रात 12 बजे के लगभग अपनी रिश्तेदार के घर जा रही एक महिला से चार बदमाशों ने चाकू की नोक पर मंगलसूत्र और 4 हजार रुपये नगदी से भरा बैग लूट लिया। 64 वर्षीय यह महिला बालाघाट से आई थी और अपने पति बेटी और नातिन के साथ रिश्तेदार के घर शांखी नगर जा रही थी. तभी बाईक सवार चार बदमाशों ने सरेराह उसे लूट लिया. घटन के संबंध में तिलवारा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट निवासी 64 वर्षीय श्रीमति कोशन पारधी अपने पति, बेटी और नातिन के स्कूटी में सवार होकर शांखीनगर जा रही थीं। बुधवार देर रात करीब 11:40 बजे रमनगरा वाटर प्लांट के पास दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों ने उनकी स्कूटी को रोक लिया।आरोपियों में से एक ने चाकू निकाल लिया, जबकि दूसरे ने महिला के गले से करीब 70 से 80 हजार रुपए कीमत का सोने का मंगलसूत्र और स्कूटी में रखे दो हैंडबैग छीन लिए। बैग में करीब 4 हजार रुपए नगद रखे थे। छीना-झपटी के दौरान महिला के हाथ की उंगली में चाकू लगने से चोट आई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

नीट परीक्षा के लिए रेलवे अलर्ट जबलपुर मंडल के स्टेशन में भीड़ नियंत्रित करने व्यापक प्रबंध

जबलपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 के महेनजर पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल ने 21 जून को होने वाली परीक्षा के लिए व्यापक भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधा योजना तैयार की है। परीक्षा में शामिल होने वाले हजारों अभ्यर्थियों के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी। रेलवे प्रशासन का अनुमान है कि परीक्षा के चलते जबलपुर मंडल के विभिन्न शहरों में यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।जबलपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले प्रमुख परीक्षा केंद्र शहरों में जबलपुर, रीवा, सतना, सागर और दमोह शामिल हैं। इन पांच शहरों में कुल 22,668 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इनमें जबलपुर में सर्वाधिक 10,441, रीवा में 5,399, सतना में 2,912, सागर में 2,769 तथा दमोह में 1,147 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के रेल यात्रा करने की संभावना को देखते हुए रेलवे ने विशेष तैयारी की है।

अवैध हिरासत के आरोपों पर घिरी पुलिस

वसुंधरा राजे के नाम से वायरल फर्जी पत्र का मामला

जबलपुर। मप्र हाई कोर्ट में गुरुवार को राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के नाम से वायरल कथित फर्जी पत्र के मामले में कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर उठे अवैध हिरासत के आरोपों पर सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई सात जुलाई को निर्धारित की है। तब तक मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस को अपना जवाब प्रस्तुत करना होगा।

दरअसल, मामला उस बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से जुड़ा है, जिसमें भोपाल के खिजर खान व अन्य ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े निखिल, बिलाल और इनाम को अप्रैल में भोपाल से उठाए जाने के बाद दो दिनों तक विधिसम्मत प्रक्रिया का

पालन किए बिना हिरासत में रखा गया। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि युवकों को समय पर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश नहीं किया गया।

प्रकरण ने पिछली सुनवाई में तब नया मोड़ ले लिया था, जब राजस्थान पुलिस तीनों युवकों को हाई कोर्ट में पेश करने के लिए बाध्य हुई। न्यायालय द्वारा दर्ज किए गए बयानों में

युवकों ने अवैध हिरासत का आरोप दोहराया था। इन बयानों पर गौर करने के बाद कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि प्रथम दृष्टया मामला अवैध हिरासत का प्रतीत होता है।कोर्ट ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया था कि युवकों के बयानों को शिकायत मानकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करें तथा रिपोट प्रस्तुत करें। राजस्थान पुलिस को भी अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया था।

इधर, तीनों कार्यकर्ताओं को जमानत मिल चुकी है, लेकिन उनकी गिरफ्तारी और हिरासत की वैधता को लेकर उठे सवाल अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में हैं। अब निगाहें सात जुलाई की सुनवाई पर टिक गई हैं, जब दोनों राज्यों की पुलिस को अदालत के समक्ष जवाबदेह होना होगा।

स्थानांतरण सरकारी सेवा का सामान्य हिस्सा है और कार्यकाल पूरा होने के बाद कर्मचारी अपनी पसंद की जगह पर बने रहने का अधिकार नहीं जता सकता

ट्रांसफर पर हाई कोर्ट ने कहा, चार साल की छूट खत्म, अब नहीं मिलेगा संरक्षण

अमर्यादित बहस पर वकील पर 10 हजार जुर्माना

जबलपुर। मप्र हाइकोर्ट ने कर्मचारी संघ के पदाधिकारी होने के आधार पर वर्षों तक तबादले से छूट पाने वाले एक प्राध्यापक को राहत नहीं दी है। जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच ने कहा कि स्थानांतरण सरकारी सेवा का सामान्य हिस्सा है और कार्यकाल पूरा होने के बाद कर्मचारी अपनी पसंद की जगह पर बने रहने का अधिकार नहीं जता सकता। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के विरुद्ध अमर्यादित भाषा के प्रयोग पर अदालत ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पर 10 हजार का जुर्माना लगा दिया है । कोर्ट ने कहा कि ट्रांसफर प्रशासनिक अधिकार है। इसमें न्यायिक हस्तक्षेप सीमित है। डा. एमयू सिद्दीकी की ओर से याचिका दायर की गई थी। उन्होंने सिंगरौली के शासकीय राजनारायण स्मृति महाविद्यालय बैटन से कटनी जिले के बहोरीबंद महाविद्यालय किए गए

तबादले को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि वे कर्मचारी संघ के पदाधिकारी हैं, उनके वृद्ध माता-पिता हैं, उनके निर्देशन में आठ शोधार्थी कार्यरत हैं तथा करीब 800 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी। लेकिन हाईकोर्ट ने पाया कि इन्हीं कारणों से उन्हें पूर्व में चार वर्षों तक स्थानांतरण से छूट मिल चुकी थी और यह अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी कर्मचारी को

अनिश्चितकाल तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। महाविद्यालय में शिक्षण व्यवस्था कैसे संचालित होगी और किस अधिकारी को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यह प्रशासनिक निर्णय का विषय है।कोर्ट ने कहा कि तबादला आदेश से याचिकाकर्ता के किसी वैधानिक या मौलिक अधिकार का हनन नहीं हुआ है। न तो स्थानांतरण नीति के उल्लंघन का कोई प्रमाण है और न ही कोई प्रतिकूल नागरिक परिणाम सामने आया है। ऐसे मामलों में न्यायालय का हस्तक्षेप अपवाद स्वरूप ही संभव है आदेश में कोर्ट ने विशेष टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने राज्य सरकार के विरुद्ध अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया और अनावश्यक रूप से विवाद को अदालत तक खींचा। इसे अनुचित मानते हुए अधिवक्ता पर 10 हजार का जुर्माना लगाया गया, जो 30 दिन के भीतर मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर में जमा करना होगा।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचित महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)-- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) -- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक--डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MP/PHIN/2008/24240